आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 216 | उज्जैन, गुरुवार 26 जून 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री निवास भोपाल में 26 जून को होगा लोकतंत्र सेनानी सम्मेलन

प्रदेश भर से राजधानी पहुंचेंगे लोकतंत्र सेनानी संघ के सदस्य

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है किदेश में लोकतंत्र की रक्षा में अनेक सेनानियों ने योगदान दिया है। आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए राष्ट्रभक्त कारावास गए और लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आपातकाल लागू होने की 50वीं वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री निवास भोपाल में गुरुवार 26 जून को लोकतंत्र सेनानियों के स्वागत का सौभाग्य मिल रहा है। प्रदेश में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देश के परिपालन में बुधवार 25 जून से कार्यक्रम प्रारंभ हो गए हैं, जो 25 जून 2026 तक चलेंगे। प्रदेश में 25 जून को इंदौर में विशेष कार्यक्रम के बाद भोपाल में 26 जून को प्रादेशिक लोकतंत्र सेनानी सम्मेलन हो रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत में 25 जून 1975 को लागू किए गए आपातकाल को लोकतांत्रिक इतिहास का काला दौर मानते हुए संविधान हत्या दिवस के रूप में अधिसूचित किया गया है। इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 11 जुलाई 2024 को अधिसूचना भी जारी की है।

प्रदेश में जनभागीदारी से होंगी वर्ष भरविविध गतिविधिया मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में 25 जून 2025 से 25 जून 2026 तक संविधान हत्या दिवस कार्यक्रमों के अंतर्गत विविध गतिविधियों के संचालन के निर्देश दिए हैं। इस क्रम में विभिन्न विभाग कार्यक्रमों के आयोजन की रूपरेखा तैयार कर रहे हैं। आपातकाल की अवधि में नागरिक स्वतंत्रता के व्यापक निलंबन, संवैधानिक सुरक्षा उपायों के क्षरणऔर व्यापक उत्पीड़न के दौर को लोकतंत्र पर धब्बा माना गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संविधान हत्या दिवस कार्यक्रमों के अंतर्गत संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जनभागीदारी के साथ कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश के सभी संभागायुक्त और कलेक्टर अपने कार्यक्षेत्र में मशाल यात्राओं के आगमन पर प्रदर्शनी और फिल्म प्रदर्शन के कार्यक्रम करवाएंगे।

देश भर में जाएंगी मशाल यात्राएं नई दिल्ली से प्रारंभ हो रही छह मशाल यात्राएं देश के विभिन्न इलाकों में भ्रमण करेंगी। निर्धारित कार्यक्रमों में भारत की लोकतांत्रिक परम्परा और इसके आयामों पर निबंध, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं और संगोष्ठियों का आयोजन भी शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपातकाल को सबसे काला अध्याय और संविधान हत्या दिवस बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आपातकाल को 50 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उस दौर को याद करते हुए एक्स पर पोस्ट लिखा, आज भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक, आपातकाल लागू होने के पचास साल पूरे हो गए हैं। भारत के लोग इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हैं। इस दिन, भारतीय संविधान में निहित मूल्यों को दरकिनार कर दिया गया।

कांग्रेस सरकार को लोकतंत्र बहाल करना पड़ा- प्रधानमंत्री ने कहा, हम आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने वाले हर व्यक्ति को सलाम करते हैं! ये पूरे भारत से, हर क्षेत्र से, अलग-अलग विचारधाराओं से आए लोग थे जिन्होंने एक ही उद्देश्य से एक-दूसरे के साथ मिलकर काम किया। भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना और उन आदर्शों को बनाए रखना जिनके लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया। यह उनका सामूहिक संघर्ष था जिसने यह सुनिश्चित किया कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार को लोकतंत्र बहाल करना पड़ा और नए चुनाव कराने पड़े, जिसमें वे बुरी तरह हार गए।

पीएम मोदी ने कहा, हम अपने संविधान के सिद्धांतों को मजबूत करने और विकसित भारत के अपने सपने को साकार करने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं।

एनआईए ने बताया कि प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया ने केरल में 950 लोगों की एक 'हिट लिस्ट' तैयार की

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। एनआईए ने बताया है कि प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया ने केरल में 950 लोगों की एक 'हिट लिस्ट' तैयार की थी।

इस लिस्ट में एक रिटायर्ड जिला जज का नाम भी शामिल है। यह खुलासा उस वक्त सामने आया जब NIA ने इस महीने की शुरुआत में केरल के एक विशेष अदालत में यह जानकारी पेश की। यह मामला 2022 में पलक्कड़, केरल में आरएसएस नेता श्रीनिवासन की हत्या से जुड़ा है, जिसमें चार आरोपियों की जमानत याचिका पर सुनवाई हो रही थी।

NIA ने इस हिट लिस्ट को कई जगहों से पुख्ता जानकारी जुटाने के बाद तैयार किया। इस लिस्ट में अलग-अलग समुदायों के लोगों के नाम शामिल हैं। जांच के दौरान NIA ने कई दस्तावेज जब्त किए, जिनमें यह खतरनाक मंसूबे उजागर हुए। PFI के इस खौफनाक इरादे ने देश में सनसनी फैला दी है।

शुभांशु शुक्ला को अंतरिक्ष में लेकर गया फाल्कन 9 रॉकेट वापस लौटा

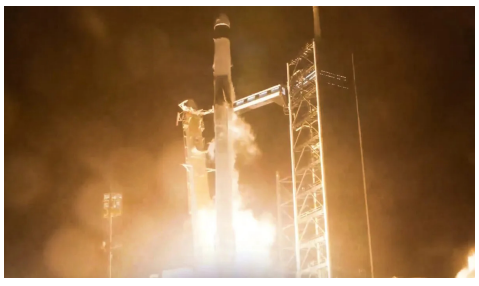

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुभांशु शुक्ला समेत चार अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस में लेकर गया फाल्कन 9 रॉकेट 8 मिनट के भीतर धरती पर सुरक्षित वापस आ गया है। स्पेस एक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट को लेकर फाल्कन 9 रॉकेट ने दोपहर 12 बजे के करीब अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित केनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी।

ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हो गया है। वहीं, फाल्कन 9 रॉकेट फ्लोरिडा वापस आ गया है। इसी के साथ Axiom-04 मिशन सफलतापूर्वक लॉन्च हो चुका है।

फाल्कन 9 रॉकेट- बता दें कि फाल्कन 9 रॉकेट रीयूजेबल है, जिसे एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स ने बनाया है। यह दुनिया का पहला ऑर्बिटल क्लास रीयूजेबल रॉकेट है। यह रॉकेट स्पेसक्राफ्ट को अंतरिक्ष में छोड़कर धरती पर वापस लौट आता है।

फाल्कन 9 का इंजन- फाल्कन 9 रॉकेट में 9 मर्लिन इंजन लगे हैं, जो पावर जनरेट करने के लिए केरोसिन और लिक्विड आक्सीजन का इस्तेमाल करता है। रॉकेट की तरह इसका इंजर भी रीयूजेबल है।

कैसे काम करता है फाल्कन 9 रॉकेट- फाल्कन 9 रॉकेट 2 हिस्सों में बना है। इसका पहला हिस्सा रीयूजेबल है, जबकि दूसरे हिस्से को सिर्फ एक ही बार इस्तेमाल किया जा सकता है। लॉन्चिंग के बाद रॉकेट एक ऊंचाई पर जाकर क्रू कैप्सूल (स्पेसक्राफ्ट, जिसमें अंतरिक्ष यात्री होते हैं) से अलग होता है और फिर यह धरती पर वापस लौट आता है।

क्रू कैप्सूल कब पहुंचेगा स्पेस- फाल्कन 9 का क्रू कैप्सूल ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट था, जिसके 28 घंटों में ढ्ढस्स पहुंचने का अनुमान है। यह मिशन आज दोपहर 12 बजे लॉन्च किया गया है और यह कल यानी गुरुवार की शाम 4 बजे (अमेरिका के समयानुसार सुबह 7 बजे) तक ISS से डॉक करेगा।

भारतीय इंजीनियर ने स्टेल्थ बी-2 स्पिरिट बनाने में मदद की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में इजरायल और ईरान के बीच तनाव के मद्देनजर अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपने घातक बी-2 स्टेल्थ बमवर्षक विमानों का इस्तेमाल किया।

गोवाडिया को स्टेल्थ तकनीक बेचने का दोषी ठहराया- सैटलाइट इमेज से पता चलता है कि चीन भी एक ऐसा ही बमवर्षक विमान विकसित कर रहा है, जो संभवत- नाथ्राप के पूर्व इंजीनियर नोशिर गोवाडिया से चुराए गए रहस्यों की मदद से विकसित हो रहा है। गोवाडिया को संवेदनशील स्टेल्थ तकनीक बेचने का दोषी ठहराया गया है।

अमेरिका ने हाल ही में किया स्टेल्थ बी-2 स्पिरिट बमवर्षक विमानों का इस्तेमाल- बहरहाल, यह निर्माण चीन को बी-2 बमवर्षक का प्रतिद्वंद्वी मैदान में उतारने के करीब ले जाता है। ईरानी परमाणु ठिकानों को ध्वस्त करने के लिए अमेरिका ने बेजोड़ हवाई शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अपने स्टेल्थ बी-2 स्पिरिट बमवर्षक विमानों का इस्तेमाल किया, जो एक अभूतपूर्व कदम था।

इस बीच, ऐसा प्रतीत हो रहा है कि सुर्खियों से दूर चीन चुपचाप एक ऐसे ही विमान पर काम कर रहा है।

सैटेलाइट इमेज से खुलासा- द वार जोन के अनुसार, 14 मई, 2025 की सैटेलाइट इमेज में झिंजियांग प्रांत के मालन के पास एक गुप्त परीक्षण बेस पर एक बड़ा फ्लाइंग-विंग स्टेल्थ विमान दिखाई दिया है। ड्रोन जैसा यह विमान अधिक ऊंचाई पर उड़ान भरने वाला, लंबे समय तक आकाश में टिके रहने वाला माना जाता है।

लोकसभा स्पीकर ने कहा, संसद में जल्द ही एआइ आधारित तकनीक का इस्तेमाल शुरू किया जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि अब लोकसभा में एआइ (आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस) का प्रयोग करते हुए संसद-विधानमंडलों एवं जनप्रतिनिधियों की कार्य दक्षता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।विधानसभा सदस्यों को भी तकनीक के बारे में जानकारी होनी चाहिए- बिरला उन्होंने यह बात महाराष्ट्र विधानसभा में प्राक्कलन समितियों पर दो दिन चले सम्मेलन के दौरान कही। बिरला ने मंगलवार को विधानमंडलों में आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग का आह्वान करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी के उपयोग से कानून बनाने वाली संस्थाओं के कामकाज में आवश्यक वित्तीय विवेक आएगा।

इजरायल-ईरान के बीच तनाव कम करने में जुटा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच 12 दिनों तक चले युद्ध के बाद सीजफायर लागू कर दिया गया है। दोनों देशों ने सीजफायर को स्वीकार किया है और दोनों ने यह दावा किया है कि इस युद्ध में विजय उनकी हुई है। ईरान ने तो इजरायल और अमेरिका पर राष्ट्रीय विजय हासिल करने का ऐलान करते हुए दिल्ली स्थिति ईरानी दूतावास ने भारत की जनता, राजनीतिक दलों, मीडिया, अध्यात्मिक नेताओं आदि को भी धन्यवाद किया है।

विजयनाद के साथ ईरान ने भारत को क्या कहा- यह पहला मौका है जब मध्य पूर्व क्षेत्र में चल रहे तनाव के समाप्त हो जाने पर किसी देश ने इस तरह से खुल कर भारत को धन्यवाद किया है। वैसे ईरान के साथ भारत के एतिहासिक संबंध रहे हैं और इजरायल के साथ बेहद करीबी सैन्य संबंध होने के बावजूद इस बार युद्ध की शुरुआत के बाद पीएम नरेन्द्र मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के साथ टेलीफोन पर बात की थी।

ईरान के साथ मजबूती के साथ खड़े रहे हर भारतीय-ईरानी दूतावास ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा कि, ÷यहूदी सत्ता और अमेरिका पर राष्ट्रीय विजय के अवसर पर इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का दूतावास भारत के सभी महान व आजादी समर्थक जनता के साथ यहां के प्रबुद्ध नागरिकों, राजनीतिक दलों, सांसदों, विश्वविद्यालयों के अध्यापकों, गैर-सरकारी संगठनों, धार्मिक व अध्यात्मिक नेताओं, मीडिया व समाजिक कार्यकर्ताओं को तहेदिल से धन्यवाद देता है। ये लोग महान देश ईरान के साथ मजबूती के साथ खड़े रहे। ईरान की जनता जब हिंसक सैन्य आक्रामण का सामना कर रही थी जब भारत की तरफ से एकजुटता का संदेश व नैतिक समर्थन से हमें काफी सहारा मिला। यह भाव इस देश की जनता की जागृत अंतरात्मा और न्याय व अंतरराष्ट्रीय कानून को लेकर उनकी प्रतिबद्दता को दिखाता है। ईरानी दूतावास का बयान काफी लंबा है। अंत में फिर से भारत की जनता को धन्यवाद करते हुए कहा गया है कि इस तरह की एकजुटता का प्रदर्शन भारत और ईरान के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक व मानवीय संबंधों को और मजबूत बनाएगा।

इजरायल ने भी कहा- उसकी हुई जीत-ईजरायल के विदेश मंत्रालय की तरफ से भी इस तरह का बयान जारी किया है। इसमें सीजफायर को स्वीकार करने की बात है लेकिन साथ ही इस बात का जोरदार तरीके से दावा किया गया है कि युद्ध में इजरायल ने ना सिर्फ सारे लक्ष्य हासिल किये हैं बल्कि ईरान में सैकड़ों आतंकवादियों को भी मार गिराया है। साथ ही इजरायल का दावा है कि उसने ईरान की तरफ से परमाणु व बैलिस्टिक हमले के खतरे को भी टाल दिया है। यह दावा भी है कि युद्ध के परिणाम ने इजरायल को विश्व की अग्रणी शक्तियों की कतार में आगे स्थापित कर दिया है। इजरायल की तरफ से जारी बयान में हालांकि भारत का जिक्र नहीं है।

अमेरिका में झील में सैर-सपाटा कर रहे थे लोग, अचानक आया तूफान और चार लोगों चली गई जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के कैलिफोर्निया की खूबसूरत ताहो झील में एक दिल दहलाने वाला हादसा हुआ। इस हादस में एक नाव के पलटने से 4 लोगों की जिंदगियां छिन गईं। यह हादसा शनिवार को उस वक्त हुआ, जब अचानक आए तूफान ने झील में अफरा-तफरी का माहौल बना दिया। यह हाल के सालों में झील पर हुआ सबसे भयानक हादसा है।

मरने वालों में सैन फ्रांसिस्को के 37 साल के जोश पिक्ल्स, उनके माता-पिता 73 साल के टेरी पिक्ल्स और 71 साल की पाउला बोजिनोविच, और उनके 72 साल के मामा पीटर बेज शामिल थे। परिवार के प्रवक्ता सैम सिंगर ने बताया कि यह नाव जोश पिक्ल्स की थी। उन्होंने इसे करीब एक साल पहले खरीदा था।

जन्मदिन की खुशी बनी मातम

जोश की पत्नी जॉर्डन शुगर-कार्ल्सगार्ड ने मंगलवार को कहा, कोई शब्द नहीं जो उस दर्द और तकलीफ को बयां कर सके। हमें यह जानकर मन भारी हो रहा है कि उनकी जिंदगियां उस वक्त खत्म हो गईं, जब वे झील पर खुशी का वक्त बिता रहे थे। हमारी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं, जिन्होंने इस अनचाहे और जानलेवा तूफान में अपनी जान गंवाई और उन दो लोगों के साथ जो बच गए।

जॉर्डन उस दिन घर पर थीं और अपनी सात महीने की बेटी की देखभाल कर रही थीं। जोश और जॉर्डन की शादी 2023 में हुई थी। दोनों सैन फ्रांसिस्को की टेक कंपनियों में काम करते थे। जोश डोरडैश में थे, जबकि जॉर्डन एयरबीएनबी में काम करती हैं। वे अपना वक्त बे एरिया और लेक ताहो के घरों में बिताते थे।

जोश की याद में कंपनी ने दिया भावुक मैसेज- डोरडैश के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर रवि इनुकोंडा ने जोश की मौत पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा, जोश की मौत ने हमें तोड़ दिया है। वे अपनी टीम से बहुत प्यार करते थे और हर उस शख्स के लिए प्रेरणा थे, जिसे उनके साथ वक्त बिताने का मौका मिला। हमारी संवेदनाएं उनकी पत्नी, उनकी बेटी, उनके परिवार और सभी करीबियों के साथ हैं।

हादसा उस वक्त हुआ, जब 27 फीट लंबी गोल्ड क्रिस-क्राफ्ट नाव डी.एल. ब्लिस स्टेट पार्क के पास थी। तूफान की वजह से ऊंची लहरें उठीं, जिसने नाव को पानी से भर दिया और इंजन बंद हो गया। परिवार के एक शख्स ने बताया, लहरें इतनी बड़ी थीं कि पानी नाव में घुस गया, जिससे वह डूब गई। मौसम विभाग के मैथ्यू चिबा ने बताया कि तूफान की तीव्रता ने सभी को हैरान कर दिया। उन्होंने कहा, हमें बारिश की उम्मीद थी, लेकिन इतना भयंकर तूफान नहीं।

ईरान का कुछ नहीं बिगाड़ सके, अमेरिकी रिपोर्ट ने ही खोली ट्रंप की पोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और व्हाइट हाउस ने मंगलवार को एक नई खुफिया रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया। इस रिपोर्ट में दावा किया है गया कि अमेरिकी हवाई हमलों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह तबाह नहीं किया। यह रिपोर्ट डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी की है। इस रिपोर्ट का खुलासा सबसे पहले सीएनएन ने किया था।

रिपोर्ट में कथित तौर पर कहा गया है कि ईरान के परमाणु ठिकानों को सिर्फ कुछ महीनों के लिए पीछे धकेला गया है, न कि पूरी तरह खत्म किया गया। लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप इस रिपोर्ट की बात पर नाराज हो गए। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल

पर इस रिपोर्ट को फर्जी करार देते हुए इसे सैन्य हमले को बदनाम करने की साजिश बताया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने भी इस रिपोर्ट को 'पूरी तरह गलत' ठहराया और कहा कि यह ट्रंप की छवि खराब करने की कोशिश है।

खुफिया रिपोर्ट में क्या दावे किए गए है- DIA की रिपोर्ट में कहा गया कि 22 जून को हुए हमलों ने ईरान के फोर्दो, नतांज और इस्फहान न्यूक्लियर ठिकानों को काफी नुकसान पहुंचाया, लेकिन ईरान का परमाणु ढांचा अब भी काफी हद तक बरकरार है। यह दावा ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के उन बयानों के खिलाफ है, जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह तबाह हो चुका है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फोर्दो के गहरे बने बंकरों के एंट्री गेट अमेरिकी बंकर-बस्टर बमों से ढह गए। भारी बमबारी के बावजूद अंदर का ढांचा अब भी सुरक्षित है। इसके साथ ही ये भी कहा गया कि हमले से पहले ही सेंट्रीफ्यूज मशीनों को अलग जगह पर ले जाया गया। बताते चलें कि सेंट्रीफ्यूज मशीन के जरिए ही यूरेनियम को एनरीच किया जाता है। आसान भाषा में कहें तो यही मशीन यूरेनियम को शुद्ध करती है जिससे एक हद के बाद यूरेनियम-238 से यूरेनियम 235 के आइसोटोप अलग हो जाते हैं।

इजरायल ने हमले में ईरान के 14 वैज्ञानिकों को मार डाला, परमाणु कार्यक्रम को झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल द्वारा ईरान के परमाणु संयंत्रों को निशाना बनाकर किए गए हमलों में कम से कम 14 विज्ञानियों की जान गई है। इससे ईरान के परमाणु कार्यक्रम को झटका लगा है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि यह केवल ईरान के कार्यक्रम को कुछ पीछे तो धकेल सकता है, लेकिन उसे परमाणु बम बनाने से नहीं रोक सकता।

इजरायल के फ्रांस में राजदूत ने किया खुला- इजरायल के फ्रांस में राजदूत जोशुआ जार्का ने कहा कि इन विज्ञानियों की हत्याओं के कारण ईरान के लिए अपने बचे हुए परमाणु बुनियादी ढांचे और सामग्री से हथियार बनाने की संभावना लगभग असंभव हो जाएगी।

जार्का ने बताया कि इजरायली हमलों में कम से कम 14 भौतिकज्ञों और परमाणु इंजीनियरों को मार डाला गया। उधर, इजरायली सेना ने कहा कि इनमें से नौ वैज्ञानिकों की हत्या 13 जून को इजराइल के पहले हमले के दौरान की गई थी।

ईरान के पास अन्य वैज्ञानिक हैं जो बना सकते हैं परमाणु हथियार- ये वैज्ञानिक परमाणु हथियारों के विकास में दशकों का अनुभव रखते थे और इनमें रसायन, सामग्री और विस्फोटकों के विशेषज्ञ शामिल थे।

जब तक सुरक्षा की गारंटी नहीं तब तक..., ईरान ने IAEA से तोड़े संबंध, संसद में अहल बिल पारित

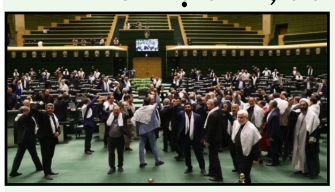

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान की संसद ने बुधवार को एक बिल पारित किया। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था यानी अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के साथ संबंध तोड़ने और सहयोग निलंबित करने का फैसला किया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने आउटलेट नूरन्यूज के हवाले से यह जानकारी दी है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस कदम को लागू करने के लिए ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की भी अंतिम मंजूरी जरूरी है। यह कदम तब उठाया गया है, जब ईरान इजरायल के साथ 12 दिनों की जंग लड़ चुका है।

तेहरान के तस्नीम समाचार एजेंसी ने सोमवार (22 जून 2025) को समिति के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई का हवाला देते हुए बताया कि विधेयक के अनुसार, निगरानी कैमरे लगाना, निरीक्षण की अनुमति देना और IAEA को रिपोर्ट पेश करना तब तक निलंबित रहेगा, जब तक परमाणु सुविधाओं की सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जाती। हालांकि, इस संबंध में संसद को अभी भी एक पूर्ण सत्र में विधेयक को मंजूरी देनी है।

ईरान के पास परमाणु बम बनाने का मैटेरियल मौजूद - इजरायल-ईरान संघर्ष के बीच अमेरिका ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकाने, इस्फान, फोर्दो और नतांज पर हमला किया था।

विंग कमांडर अभिनंदन को पकड़ने का दावा करने वाले पाकिस्तानी मेजर की मौत

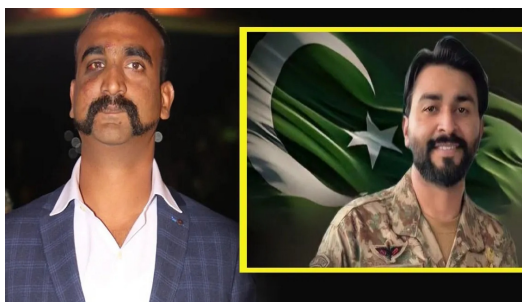

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना के मेजर मुईज अब्बास शाह टीटीपी के लड़ाकों के हमले में मारा गया। इस हमले में पाक सेना का लांस नायक जिबरान भी मारा गया। मेजर मुईज अब्बास ने 2019 में भारत के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को पाकिस्तान में गिरफ्तार किया था। ये गिरफ्तारी तब की थी जब अभिनंदन के प्लेन पाकिस्तान में क्रैश हो गया था और वह घायल थे। मेजर मुईज ने तब गिरफ्तारी का दावा करके खूब सुर्खियां बटोरी थीं, लेकिन भारत के आगे पाकिस्तान को घुटने टेकने पड़े और उसने विंग कमांडर अभिनंदन को सकुशल वापस भेजा था।

मेजर मुईज अब्बास शाह पाकिस्तान के चकवाल से ताल्लुक रखते था और वह पाक सेना की स्पेशल सर्विस ग्रुप (एसएसजी) का अफसर था। उसकी मौत के बाद पाकिस्तानी सेना ने दावा किया है कि वह एक ऑपरेशन के दौरान मारा गया। इस ऑपरेशन में टीटीपी के 11 लड़ाके भी मारे गए।

मेजर शाह ने विंग कमांडर अभिनंदन को किया था गिरफ्तार- मेजर मुईज अब्बास शाह का नाम उस वक्त सुर्खियों में आया था, जब 2019 में भारत और पाकिस्तान के बीच बालाकोट हवाई हमले के बाद तनाव चरम पर था। उस दौरान भारत के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान मिग-21 बाइसन जेट उड़ा रहे थे। कुछ तकनीकी खराबी के बाद अभिनंदन का जहाज पाक सीमा में जा गिरा था। इसके बाद घायल अवस्था में अभिनंदन को मेजर मुईज अब्बास शाह ने गिरफ्तार कर लिया था।

ईरान में तीन लोगों को मिली सजा-ए-मौत, इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए जासूसी का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच सीजफायर हो चुका है। हालांकि सीजफायर के कुछ ही घंटों बाद ईरान ने इजरायल के 3 जासूसों को मौत की सजा सुना दी है। ईरान अदालत ने तीनों का कनेक्शन इजरायली जासूसी एजेंसी मोसाद से पाया, जिसके बाद उन्हें फांसी की सजा दे दी गई है। ईरान की मिजान न्यूज के अनुसार, तीन लोगों पर मोसाद के लिए जासूसी करने और ईरान में हत्या के लिए हथियर मुहैया करवाने का आरोप था। तीनों पर लगा यह आरोप जांच में सच साबित हुआ और उन्हें फांसी की सजा सुना दी गई।

इजरायल के जासूसों की तलाश में ईरान- ईरान और इजरायल का तनाव बेशक रुक गया है। मगर ईरान देश में मौजूद इजरायली एजेंट्स का पता लगाने में जुटा है। ईरान ने पहले भी मोसाद के लिए काम करने वाले कई जासूसों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें मौत की सजा सुनाई जा चुकी है।

ईरान में बिछा है मोसाद का खुफिया जाल- बता दें कि 12 दिनों के लंबे संघर्ष के बाद बीते दिन ईरान और इजरायल सीजफायर के लिए माने हैं। हालांकि, मिडिल-ईस्ट में हालात अभी भी नाजुक बने हुए हैं। इजरायली हमले में ईरान के परमाणु ठिकानों और परमाणु वैज्ञानिकों समेत सैन्य कमांडरों की मौत हो गई थी। आसमान से गिरी इजरायल की मिसाइलों ने सभी को चुन-चुन कर निशाना बनाया था, जिसके बाद से ईरान में मोसाद के खुफिया जाल की चर्चा हो रही थी। ऐसे में ईरान भी अब एक्टिव हो चुका है और वो देश में छिपे सभी जासूसों की तलाश में है।

फिर से परमाणु कार्यक्रम चलाया तो करेंगे भयंकर हमला, नेतन्याहू ने ईरान को दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच 12 दिन के युद्ध के बाद मंगलवार तड़के उसके विराम की घोषणा हो गई। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के साथ युद्ध विराम पर सहमति जताने के बाद मंगलवार को ऐतिहासिक जीत की घोषणा की और जोर देकर कहा कि उनके देश का कट्टर दुश्मन कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर पाएगा।राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री नेतन्याहू की यह टिप्पणी ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन द्वारा यह कहे जाने के बाद आई कि उनका देश अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत पर लौटने को तैयार है। हालांकि, पेजेशकियन ने जोर देकर कहा कि ईरान परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के लिए अपने वैध अधिकारों का दावा करना जारी रखेगा।

नेतन्याहू ने ईरान को दी खुली धमकी- पेजेशकियन के बयान के बाद नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के हाथ कभी भी परमाणु हथियार नहीं लगने देंगे। हमने ईरान की परमाणु परियोजना को विफल कर दिया है। और अगर ईरान में कोई भी इसे फिर से बनाने की कोशिश करता है, तो हम किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए उसी दृढ़ संकल्प और उसी तीव्रता के साथ काम करेंगे।

कतर के अमीर ने ईरान को संघर्ष विराम के लिए मनाया- इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष पर विराम लगाने में कतर की अहम भूमिका सामने आ रही है। इस खाड़ी देश ने ईरान को संघर्ष विराम के लिए मनाया, जिसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की।

आंध्र प्रदेश में भी राजा रघुवंशी हत्याकांड जैसा मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में भी इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड जैसा एक मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने शादी के कुछ ही दिनों बाद प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या करवा दी और फिर दोनों का प्लान लद्दाख भाग जाने का था। पुलिस को एक नहर में व्यक्ति की लाश बरामद हुई, जो काफी हद तक सड़ चुकी थी। टैटू से पहचान होने के बाद मृतक के परिवार वालों ने उसकी पत्नी पर हत्या का आरोप लगाया। चौंकाने वाली बात ये है कि हत्या के बाद भी उसकी पत्नी ससुराल में ही रह रही थी। पुलिस ने अब पूरे खेल का पर्दाफाश कर दिया है।

बैंक मैनेजर के साथ था अफेयर- पूरा मामला आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले का है। यहां एक नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कॉरपोरेशन में सुजाता नाम की महिला सफाई कर्मी के तौर पर काम करती थी। सुजाता का बैंक के मैनेजर तिरुमल राव के साथ अफेयर था। राव की शादी 8 साल पहले हो चुकी थी, लेकिन उसका कोई बच्चा नहीं था।

इसी दौरान सुजाता की जगह उसकी 23 वर्षीय बेटी ऐश्वर्या ने नौकरी जॉइन कर ली और राव के साथ उसका भी प्रेम प्रसंग शुरू हो गया। सुजाता इसके लिए तैयार नहीं थी और उसने ऐश्वर्या की शादी लैंड सर्वेयर और डांसर तेजेश्वर के साथ तय कर दी। लेकिन शादी के कुछ दिनों पहले ही ऐश्वर्या कहीं चली गई।

शादी के बाद करवा दी हत्या- कुछ वक्त बाद उसने तेजेश्वर को यकीन दिलाया कि वह उससे प्यार करती है और उसी से शादी करना चाहती है, लेकिन उसकी मां दहेज नहीं दे पाएगी। तेजेश्वर के परिवार को शक था कि ऐश्वर्या का किसी से अफेयर चल रहा है, लेकिन तेजेश्वर ने परिवार की मर्जी के खिलाफ जाकर 18 मई को उससे शादी कर ली।

भारतीय वायुसेना को मार्च तक मिलेंगे छह तेजस विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना को मार्च 2026 तक कम से छह हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस मिल जाएंगे। इन अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों का निर्माण कर रही कंपनी हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के प्रमुख ने यह जानकारी दी।

जीई एयरोस्पेस द्वारा इंजन की आपूर्ति में विलंब- उन्होंने कहा है कि तेजस की आपूर्ति में हुई देरी का कारण जीई एयरोस्पेस द्वारा इंजन की आपूर्ति में विलंब है। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने हाल ही में इस मुद्दे को उठाया था, जिसके बाद यह चर्चा का विषय बन गया।

एचएएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) डीके सुनील ने कहा कि यह देरी केवल अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस द्वारा समय पर एफ404 इंजन की आपूर्ति करने में असमर्थता के कारण हुई है।

भारतीय वायुसेना को लड़ाकू विमानों की आपूर्ति में आसानी होगी- एक विशेष साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि जीई एयरोस्पेस द्वारा चालू वित्त वर्ष में 12 इंजन की आपूर्ति किए जाने की उम्मीद है। इससे भारतीय वायुसेना को लड़ाकू विमानों की आपूर्ति में आसानी होगी। उन्होंने कहा- हर कंपनी को आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है।

अज्ञात लोगों ने बीच सड़क पर की मारपीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक शख्स और उसके दोस्त के साथ जबरन मारपीट का मामला सामने आया है। कुछ अज्ञात लोगों के झुंड ने दोनों पर हमला किया और फिर मौके से फरार हो गए। रविवार की देर शाम लगभग 4:30 से 5:30 के बीच में यह मामला पुलिस के संज्ञान में आया। पीड़ितों ने आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाते हुए पूरे मामले की जानकारी दी।

क्या है पूरा मामला- शिकायतकर्ता जमीर के अनुसार, वो पेशे से मैकेनिक है। रविवार की शाम को हेगड़े नगर स्थित एजेबीजे ग्राउंड के पास वो अपनी गाड़ी रोकी और दोस्त वसीम से बात करने लगा। तभी कुछ लोग वहां आए और दोनों से जाने के लिए कहा। इस दौरान दोनों पक्षों में बहस हुई और फिर बात मारपीट तक पहुंच गई।

जय श्री राम बुलवाया- जमीर ने पुलिस को बताया कि जब आरोपियों ने उसके दोस्त वसीम पर हमला किया तो वसीम ने दर्द से अल्लाह कहना शुरू कर दिया। ऐसे में आरोपियों ने वसीम पर जय श्री राम कहना का दवाब डाला।

पुलिस ने दर्ज की FIR- पुलिस ने जमीर के बयान पर FIR दर्ज कर ली है और मामले की जांच की जा रही है। हालांकि, अभी तक आरोपियों का कुछ पता नहीं चला है। पुलिस आरोपियों की पहचान करके उन्हें जल्द गिरफ्तार करने की कोशिश में लगी है।

देश के 10 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून ने पश्चिम और उत्तर भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर पूरे देश पर कब्जा कर लिया है। यूपी-बिहार समेत कई राज्यों में मूसलाधार बारिश हो रही है। वहीं, मौसम विभाग ने बीते दिन ही दिल्ली में मानसून की एंट्री की भविष्यवाणी की थी, जो गलत साबित हो गई है।

मौसम विभाग ने 9 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा देश के सभी राज्यों में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

10 राज्यों में होगी झमाझम बारिश- मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उड़ीसा में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक के तटीय इलाकों में भी तेज बारिश होने की संभावना है।

यूपी के 14 जिलों में बारिश का अलर्ट

उत्तर प्रदेश के ज्यादातर हिस्से में मानसून ने दस्तक दे दी है। वहीं, आज मौसम विभाग ने यूपी के 14 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। द्वारा के अनुसार, सहारनपुर, बिजनौर, मुरादाबाद, और रामपुर में भारी से बहुत भारी बारिश होने के आसान हैं। वहीं मुज्जफरनगर, बागपत, शामली, मेरठ, बरेली, अमरोहा, पीलीभीत, ललितपुर, झांसी, जालौन में भी तेज बारिश होने के आसार हैं। इसके अलावा हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बहराइच, बलरामपुर, गोंडा, बस्ती, श्रावस्ती, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर और कुशीनगर में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है।

दिल्ली में नहीं आया मानसून- मौसम विभाग ने बीते दिन यानी 24 जून को ही दिल्ली में मानसून की एंट्री का पूर्वानुमान लगाया था। हालांकि कल मानसून दिल्ली नहीं पहुंचा। दिल्ली के अलावा पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्से अभी मानसून की पहली बारिश के लिए तरस रहे हैं।

लोन देने के नाम पर गोरखधंधा होगा बंद, सरकार ला रही है कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोन देने के नाम पर भोली-भाली जनता को फंसाकर मोटी रकम वसूलने वाले एप और एजेंसी का गोरखधंधा अब बंद होने वाला है। सरकार लोन देने के नाम पर ठगी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए कानून ला रही है। इस प्रस्तावित कानून का नाम बैकिंग ऑफ अनरेगुलेटेड लेंडिंग एक्टिविटिज (बुला) है, जिसे जल्द ही कैबिनेट की मंजूरी मिल सकती है।

इस कानून के अमल में आने के बाद चाहे कोई व्यक्तिगत रूप से या फिर डिजिटल माध्यम से कमर्शियल उधार देने का कारोबार करता है तो उसे आरबीआइ से या स्टेट बैंक आफ इंडिया कानून 1955 या फिर किसी राज्य के मनी लेंडिंग कानून के तहत मंजूरी लेना अनिवार्य होगा।

कड़ी होगी कार्रवाई- मंजूरी नहीं लेने वालों को भारी जुर्माने के साथ जेल तक जाना पड़ सकता है। दो से सात साल तक की जेल और दो लाख से एक करोड़ तक का जुर्माना प्रस्तावित है। किसी रिश्तेदार से लिए जाने वाले कर्ज को इस प्रस्तावित कानून के दायरे से बाहर रखा गया है। प्रस्तावित कानून की खास बात यह होगी कि सरकारी एजेंसी से मंजूरी प्राप्त कर्ज देने वाली एजेंसी या एप का एक डाटाबेस होगा जिस पर जाकर यह देखा जा सकेगा कि जिससे आप लोन ले रहे हैं, वह लोन देने का कारोबार करने के लिए अधिकृत है या नहीं।

पिछले साल वित्त मंत्रालय ने प्रस्तावित कानून का जारी किया था मसौदा

मुख्य रूप से चीन व अन्य देशों से संचालित डिजिटल लेंडिंग एप पर रोक लगाने के लिए सरकार यह कानून ला रही है। चीन से संचालित होने वाले एप लोगों को कर्ज देकर उन्हें ब्लैकमेल करने लगे थे, जिन वजहों से कई लोगों ने आत्महत्या भी कर ली थी।

वित्त मंत्रालय की तरफ से मसौदा जारी किया गया था- आरबीआइ व वित्त मंत्रालय की सिफारिश पर इस प्रकार के कई एप पर प्रतिबंध तो लगाया गया, लेकिन इसका स्थायी इलाज नहीं हो सका। इसे ध्यान में रखते हुए ही पिछले साल इस प्रस्तावित कानून को लेकर वित्त मंत्रालय की तरफ से मसौदा जारी किया गया था, जिस पर हितधारकों से राय मांगी गई थी। अब प्रस्तावित कानून की तैयारी अंतिम चरण में है।

डीजीसीए को ड्रीमलाइनर विमान में मिली कई खामियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या देश का उड्डयन सेक्टर राम भरोसे चल रहा है? एविएशन सेक्टर की नियामक एजेंसी नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पिछले दिनों एयर इंडिया के बोईंग ड्रीमलाइनर विमान एआइ-171 के हादसाग्रस्त होने के बाद जब मुंबई, दिल्ली समेत कुछ प्रमुख हवाई अड्डों का समग्र तौर पर निरीक्षण किया और उसमें जो बातें निकलर सामने आई हैं, उससे तो ऐसा ही लगता है।

यात्री विमानों में बार-बार एक ही तरह की खराबी आई- मंगलवार को विमानन नियामक ने बताया कि यात्री विमानों में बार-बार एक ही तरह की खराबी आई है, लेकिन उसे नजरअंदाज किया जाता है। विमानों के रखरखाव को लेकर सरकारी नियमों की अनदेखी की जाती है, एयरक्राफ्ट में रबी की रिपोर्ट (फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर द्वारा दर्ज की गई जानकारी) को लागबुक में दर्ज नहीं कराया जाता, इमरजेंसी में इस्तेमाल होने वाले जीवन रक्षक पेटिका भी अपने यथास्थान पर नहीं होती तो कहीं ग्राउंड हैंडलिग उपकरण जैसे कि बैगेज ट्राली अनुपयोगी पाए गए आदि-आदि।

एयरपोर्ट के आसपास काफी निर्माण हो रहे हैं- एयरपोर्ट के आसपास काफी निर्माण हो रहे हैं लेकिन उनका कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया। हालांकि नियमों के मुताबिक एक निश्चित अंतराल पर ऐसा किया जाना चाहिए। यह विमानों की सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है।इस तरह की दर्जनों खामियों का राजफाश डीजीसीए ने किया है। इसने न सिर्फ भारत के नागरिक उड्डयन सेक्टर की कंपनियों की कलई खोल दी है बल्कि समूचे सेक्टर की निगरानी की मौजूदा व्यवस्था पर भी सवाल उठाया है।

डीजीसीए की गंभीरता पर भी सवाल उठता है- अगर डीजीसीए ने अहमदाबाद-लंदन उड़ान हादसे के बाद यह निरीक्षण नहीं किया होता तो सब कुछ ऐसे ही चल रहा होता। वैसे यह भी अजीब बात है कि डीजीसीए ने उन विमान कंपनियों या हवाई अड्डे के संचालन का प्रबंधन करने वाली कंपनियों के नाम नहीं बताए हैं। साफ तौर पर यह भी नहीं बताया गया है कि किस हवाई अड्डे पर किस तरह की खामिया पाई गई हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

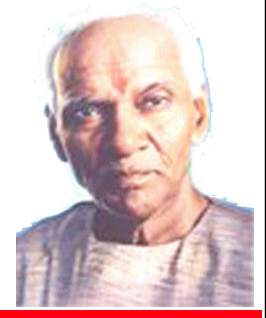

विक्रम संवत 2079 कृष्ण प्रतिपदा

संपादकीय

'आपातकाल' को 50 वर्ष पूरे हो गए...

आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर 25 जून 1975 की आधी रात को देश पर थोपे गए 'आपातकाल' को 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। भारत की जनता ने तब तानाशाही के विरुद्ध स्वतंत्रता की एक और लड़ाई लड़ी थी। इस बार लड़ाई अपने ही दिग्भ्रमित सत्तालोलुप नेताओं से थी, जिसमें देश एक बार फि?र विजेता बनकर उभरा था। पिछले कुछ वर्षों से कुछ विपक्षी नेता अक्सर संविधान की प्रति हाथ में लेकर भाषण देते दिखाई देते रहे हैं। बात-बात में संविधान की दुहाई देने का क्रम चल रहा है। भारत के मजबूत लोकतांत्रिक वातावरण में भी 'लोकतंत्र व संविधान बचाने' के लिए सभाओं के प्रहसन चल रहे हैं। आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर यह अवसर है जब मुड़कर इतिहास को फिर से देखने की आवश्यकता है।

आपातकाल का निर्णय किसी युद्ध या आंतरिक विद्रोह के कारण नहीं बल्कि एक प्रधानमंत्री के लोकसभा चुनाव रद्द होने और अपनी सत्ता बचाने की हताशा में लिया गया राष्ट्र विरोधी निर्णय था। कांग्रेस पार्टी ने आपातकाल के इस क्रूरकाल में न केवल संवैधानिक ढांचे को कुचला बल्कि उसके द्वारा प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को भी भंग किया गया।

1971 के आम चुनावों में श्रीमती इंदिरा गांधी ने रायबरेली से जीत तो हासिल की लेकिन उनके निकटतम उम्मीदवार राजनारायण ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर चुनाव में भ्रष्टाचार और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के आरोप लगाए। इधर देश की अर्थव्यवस?था खराब स्थिति में थी। आर्थिक विकास दर केवल 1.2 प्रतिशत थी। देश का विदेशी मुद्रा भंडार मात्र 1.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर था (आज 640 बिलियन अमेरिकी डॉलर है)। महंगाई चरम पर थी। मुद्रास्फीति की दर 20 प्रतिशत से भी ज्यादा थी। देश की 50 प्रतिशत से ज्यादा जनता गरीबी रेखा के नीचे थी और जबरदस्त बेरोजगारी थी। भ्रष्टाचार की हालत ऐसी थी कि लाखों रुपए के घोटाले करने वाले मंत्री एवं सरकार से जुड़े नेताओं की रहस्यमय ढंग से हत्या हो रही थी। बिहार और गुजरात में छात्रों के नेतृत्व में नवनिर्माण आंदोलन चल रहा था। 8 मई 1974 को जॉर्ज फर्नांडि?स के नेतृत्व में देशव्यापी रेल हड़ताल हो चुकी थी। बिहार, गुजरात में राष्ट्रपति शासन के बाद कांग्रेस चुनाव हार चुकी थी। इस सबसे कांग्रेस की केंद्र सरकार परेशान हो चुकी थी।

12 जून 1975 को न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा ने अपने निर्णय में इंदिरा गांधी की जीत को अवैध करार दिया और उन्हें 6 साल तक चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया। इस ऐतिहासिक निर्णय के बाद इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री नहीं रह सकती थीं। उनकी कुर्सी पर गंभीर राजनीतिक संकट खड़ा हो गया। तेजी से बढ़ती राजनीतिक अस्थिरता से घबराकर इंदिरा गांधी ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर मंत्रिपरिषद् की अनुसंशा के बगैर ही राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद से अनुच्छेद 352 के तहत देश में आपातकाल लगाने की सिफारिश की, जिसे राष्ट्रपति ने 25 जून 1975 की आधी रात को मंजूरी दे दी। आज संविधान की प्रतियां हाथ में लहराने का नाटक करने वालों को यह स्मरण रखना ही होगा कि आपातकाल वास्तव में भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को कुचलने का प्रयास था। यह संविधान की हत्या की सोची-समझी रणनीति थी। इंदिरा गांधी ने 'आंतरिक अशांति' की आड़ लेकर संविधान के अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग किया जबकि न तो उस समय बाहरी आक्रमण या युद्ध की स्थिति थी, न विद्रोह ही हुआ था।

रामा राघोबा राणे

सेकेंड लेफ़्टिनेंट रामा राघोबा राणे परमवीर चक्र से सम्मानित भारतीय सैनिक हैं। इन्हें यह सम्मान सन् 1948 में मिला था।

जीवन परिचय- राघोबा राणे का जन्म 26 जून 1918 को धारवाड़ ज़िले के हवेली गाँव में हुआ था। उनकी प्रारम्भिक शिक्षा, पिता के एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण (ट्रांसफ़र) के कारण बिखरी-बिखरी सी हुई। तभी 1930 में असहयोग आन्दोलन शुरू हुआ जिससे राघोबा राणे बेहद प्रभावित हुए और ऐसा लगा कि वह इस आन्दोलन में सब कुछ छोड़कर कूद पड़ेंगे। लेकिन इस स्थिति के आने के पहले ही इनके पिता अपने परिवार सहित अपने पैतृक गाँव चेंडिया आ गए।

भारतीय सेना में भर्ती- 1940 में दूसरा विश्व युद्ध तेज़ी पर था। राघोबा के भीतर भी कुछ जोश भरा जीवन जीने की चाह थी तो उन्होंने भारतीय सेना में जाने का मन बनाया। उनकी इच्छा रंग लाई और 10 जुलाई 1940 को वह बॉम्बे इंजीनियर्स में आ गए। वहाँ इनके उत्साह और दक्षता ने इनके लिए बेहतर मौक़े पैदा किए। यह अपने बैच के सर्वोत्तम रिक्रूट चुने गए। इस पर इन्हें पदोन्नत करके नायक बना दिया गया तथा इन्हें कमांडेंट की छड़ी प्रदान की गई। ट्रेनिंग के बाद राघोबा 26 इंफेंट्री डिवीजन की 28 फील्ड कम्पनी में आ गए। यह कम्पनी बर्मा में जापानियों से लड़ रही थी। बर्मा से लौटते समय राघोषा राणे को दो टुकड़ियों के साथ ही रोक लिया गया और उन्हें यह काम सौंपा गया कि वह बुथिडांग में दुश्मन के गोला बारूद के जखीरे को नष्ट करें और उनकी गाड़ियों को बरबाद कर दें। राघोबा और उनके साथी इस काम को करने में कामयाब हो गए। योजना थी कि इसके बार नेवी के जहाज इन्हें लेकर आगे जाएंगे। दुर्भाग्य से यह योजना सफल नहीं हो पाई और उन लोगों को नदी खुद पार करनी पड़ी। यह एक जोखिम भरा काम था क्योंकि उस नदी पर जापान की जबरदस्त गश्त और चौकसी लगी हुई थी। इसके बावजूद राघोबा और उनके साथी, जापानी दुश्मनों की नज़र से बचते हुए उनको मात देते हुए इस पार आए और इन लोगों ने बाहरी बाज़ार में अपने डिवीजन के पास अपनी हाजिरी दर्ज की। यह एक बेहद हिम्मत तथा सूझबूझ का काम था, जिसके लिए इन्हें तुरंत हवलदार बना दिया गया।

सेकेंड लेफ़्टिनेंट- इसके बाद रामा राघोबा राणे लगातार सेना को अपनी बहादुरी, अपनी नेतृत्व क्षमता तथा अपने चरित्र से प्रभावित करते रहे जिसके फलस्वरूप इन्हें सेकेंड लेफ़्टिनेंट के रूप में कमीशंड ऑफिसर बनाकर जम्मू कश्मीर के मोर्चे पर तैनात कर दिया गया। पाकिस्तान के जवाबी हमले को नाकाम करते हुए नौशेरा की फ़तह के बाद भारतीय सेना ने अपनी नीति में परिवर्तन किया और यह तय किया कि वह केवल रक्षात्मक युद्ध नहीं लड़ेगी बल्कि खुद भी आक्रामक होकर मोर्चे जीतेगी और इसी से दुश्मन का मनोबल टूटेगा। इस क्रम में सबसे पहले 18 मार्च 1948 को 50 पैराब्रिगेड तथा 19 इंफेंट्री ब्रिगेड ने झांगार पर दुबारा जीत हासिल की थी। उसके बाद भारतीय सेना अपनी इसी नीति पर डटी रही थी। इसके बाद यह निर्णय हुआ था कि दुश्मन पर दबाव बनाए रखते हुए बारवाली रिज, चिंगास तथा राजौरी पर क़ब्ज़ा जमाया जाय। इस काम के लिए नौशेरा-राजारी मार्ग का साफ़ होना बहुत ज़रूरी था। एक तो भौगोलिक रूप से यहाँ रास्ता पहाड़ी रास्तों की तरह संकरा तथा पथरीला था, दूसरे इस पर दुश्मन ने बहुत सी ज़मीनी सुरंगें भी बना रखीं थीं। कूच करने के पहले ज़रूरी था कि उन सुरंगों को नाकाम करके, सभी तरह के अवरोध वहाँ से हटा दिए जाएँ।

अदम्य साहस का प्रदर्शन- 8 अप्रैल 1948 को ऐसे ही एक मोर्चे पर सेकेंड लेफ़्टिनेंट रामा राघोबा राणे को अपना पराक्रम दिखाने का मौका मिला। 8 अप्रैल 1948 को यह काम बॉम्बे इंजीनियर्स के इन्हीं सेकेंड लेफ़्टिनेंट रामा राघोबा राणे को सौंपा गया। दिन में काम शुरू हुआ और शाम तक रिज को फ़तह कर लिया गया। दुश्मन ने इस हार पर अपना जवाबी हमला किया लेकिन उसे नाकाम कर दिया गया। इस सफलता के लिए रामा राघोबा की विशेष बहादुरी का ज़िक्र किया जा सकता है। 8 अप्रैल से ही, जैसे ही रामा राघोबा को काम शुरू करना था, दुश्मन की भारी गोलाबारी तथा बमबारी शुरू हो गई थी। इस शुरुआती दौर में ही रामा राघोबा के दो जवान मारे गए और पाँच घायल हो गए। घायलों में रामा राघोबा स्वयं भी थे। इसके बावजूद रामा राघोबा अपने टैंक के पास से हटे नहीं और दुश्मन की मशीनगन तथा मोर्टार का सामना करते रहे। रिज जो जीत भले ही लिया गया था, लेकिन राघोबा को पूरा एहसास था कि दुश्मन वहाँ से पूरी तरह साफ़ नहीं हुआ है। इसके बावजूद, रामा ने अपने दल को एकजुट किया और घुमाव बनाते हुए अपने टैंकों के साथ वह आगे चल पड़े। रात दस बजे वह एक-एक ज़मीनी सुरंग साफ़ करते हुए आगे बढ़ते रहे, जबकि दुश्मन की तरफ से मशीनगन लगातार गोलियों की बौछार कर रही थी।

बहादुरी और चतुराई का प्रदर्शन- अगले दिन 9 अप्रैल को फिर एकदम सुबह से ही काम शुरू हो गया जो शाम तीन बजे तक चलता रहा। इस बीच एक घुमावदार रास्ता तैयार था, जो सुरक्षित था और इससे टैंक आगे जा सकते थे। जैसे-जैसे सशस्त्र दल आगे बढ़ा, रामा राघोबा अगली पंक्ति में उनकी अगुवाई करते चले। रास्ते में फिर एक अवरोध चीड़ के पेड़ को गिरा कर बनाया गया था। राघोबा फ़ुर्ती से अपने टैंक से कूद कर नीचे आए और पेड़ को धमाके से उड़ाकर उन्होंने रास्ता साफ़ कर लिया। क़रीब तीन सौ गज़ आगे फिर वहीं नज़ारा था। उस समय शाम ढल रही थी और रास्ता ज़्यादा घुमावदार होता जा रहा था। अगली बाधा एक उड़ा दी गई पुलिया ने खड़ी की थी। राघोबा अपने दल के साथ इसे भी दूर करने तत्परता से जुट गए। तभी यकायक दुश्मन ने मशीनगन से गोलियाँ चलानी शुरू कर दीं लेकिन यहाँ भी राघोबा ने बेहद चतुराई से अपना रास्ता दूसरी तरफ से काटा और निर्बाध आगे बढ़ गए। इस तरह सशस्त्र सेना ने न जाने कितने मार्ग अवरोधों का सामना किया और सभी को रामा राघोबा के दल ने बहादुरी और चतुराई से निपटा डाला।

शाम सवा छह का समय हो रहा था। रोशनी तेज़ी से घट रही थी और सामने एक बड़ी बाधा मुँह बाए खड़ी थी। चीड़ के पाँच बड़े पेड़ों के सहारे मार्ग अवरोध बनाया गया था। उसके नीचे ज़मीनी सुरंगे थीं, जिसमें बारूदी विस्फोट का पूरा सामान था और उसके दोनों ओर से मशीनगर की लगातार गोलाबारी थी जिससे इस अवरोध को दूर कर पाना सरल नहीं लग रहा था। रामा राघोबा इस बाधा को भी हटाने के लिए तत्पर थे लेकिन सशस्त्र टुकड़ी के कमाण्डर को यही ठीक लगा कि टुकड़ी का रास्ता बदल कर कहीं सुरक्षित ठिकाने पर ले जाया जाए। इस निर्णय के साथ रात बीती लेकिन रामा राघोबा को चैन नहीं था। वह सुबह पौने पाँच बजे से ही उस मार्ग अवरोध को साफ़ करने में लग गए। दुश्मन की ओर से मशीनगन का वार जारी था। उसके साथ एक टैंक भी वहाँ तैनात हो गया था लेकिन रामा राघोबा का मनोबल भी कम नहीं था। वह इस काम में लगे ही रहे और सुबह साढ़े छह बजे, क़रीब पौने दो घण्टे की मशक्कत के बाद उन्होंने वह रास्ता साफ़ कर लिया और आगे बढ़ने की तैयारी शुरू हुई।

अगला हजार गज़ का फासला जबरदस्त अवरोधों तथा विस्फोटों से ध्वस्त तट-बंधों से भरा हुआ था। इतना ही नहीं, आगे का पूरा रास्ता मशीनगन की निगरानी में था लेकिन रामा राघोबा असाधारण रूप से शांत तथा हिम्मत से भरे हुए थे। उनमें जबरदस्त नेतृत्व क्षमता थी। वह अपनी टुकड़ी का हौसला बढ़ने में प्रवीण थे और अपनी टुकड़ी के सामने अपनी बहादुरी एवं हिम्मत की मिसाल भी रख रहे थे, जिसके दम पर उनका पूरा अभियान उसी दिन सुबह साढ़े दस बजे तक पूरा हो गया। सशस्त्र टुकड़ी को तो निकलने का रास्ता राघोबा ने दे दिया, लेकिन वह थमे नहीं। सशस्त्र टुकड़ी तावी नदी के किनारे रुक गई लेकिन राघोबा का दल प्रशासनिक दल के लिए रास्ता साफ़ करने में जुटा रहा। राघोबा के टैंक चिंगास तक पहुँच गए।

2 जंग और दो महीने से जारी तेजी के बाद डिफेंस शेयरों में बिकवाली, अब क्या करें आम निवेशक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के बाद डिफेंस शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिली, और मई व जून के महीने में कुछ डिफेंस स्टॉक 20 फीसदी तक चढ़ गए। लेकिन, अब ईरान और इजरायल में युद्ध खत्म होने के बाद से भारतीय डिफेंस कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली के कारण गिरावट देखने को मिल रही है।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और पारस डिफेंस समेत अन्य स्टॉक लगातार दूसरे दिन गिरकर बंद हुए हैं। ऐसे में निवेशकों के सामने सवाल है कि वह डिफेंस शेयरों में निवेश को लेकर क्या करें?

क्या करनी चाहिए नई खरीदारी- देश के दिग्गज ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के एनालिस्ट ने डिफेंस शेयरों को लेकर अपना नजरिया रखा है। इक्विटी टेक्निकल रिसर्च के हेड और वाइस प्रेसिडेंट, रुचित जैन ने कहा, पिछले कुछ सत्रों में डिफेंस सेक्टर के शेयरों में आंशिक मुनाफावसूली देखी गई है। हालांकि, इन शेयरों में व्यापक रुझान अब भी सकारात्मक बना हुआ है।

रुचित जैन की मानें तो डिफेंस शेयरों में पिछले कुछ महीनों में कीमतों में तेजी अच्छे वॉल्युम के साथ आई है, जबकि मुनाफावसूली में वॉल्युम कम देखने को मिला है। इस यह साबित होता है कि स्टॉक में अपट्रेंड के अंदर एक करेक्शन आया है, और फिर से तेजी आने की संभावना है।

गिरावट के साथ बंद हुए डिफेंस शेयर- 25 जून के कारोबारी सत्र में HAL, BEL, BDL, जेन टेक्नोलॉजी, डाटा पैटनर्स, आजाद इंजीनियरिंग, पारस डिफेंस, यूनिमेक एयरोस्पेस और एस्ट्रा माइक्रोवेव समेत अन्य शेयर 3 फीसदी तक की गिरावट के साथ बंद हुए हैं।

रुचित जैन के अनुसार, निवेशकों को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और सोलर इंडस्ट्रीज जैसे डिफेंस शेयरों में गिरावट के दौरान नई खरीदारी का नजरिया रखना चाहिए।

देश की सबसे बड़ी कंपनी के शेयर पर 2 बड़े टारगेट प्राइस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के दो दिग्गज ब्रोकरेज हाउसेज ने भारत की सबसे बड़ी कंपनी के शेयरों पर बड़े टारगेट प्राइस दिए हैं। CLSA और Citi ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों पर बाय और आउटपरफॉर्म की रेटिंग बरकरार रखी है। करीब 20 लाख करोड़ के मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारत की सबसे बड़ी कंपनी है।

बड़े मार्केट कैप के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज,निफ्टी50 का टॉप शेयर है। पिछले 6 महीनों में रिलायंस इंडस्ट्रीज के स्टॉक ने करीब 20 फीसदी का रिटर्न दिया है। फिलहाल, इस कंपनी के शेयरों का मौजूदा भाव 1464 रुपये है।

CLSA और Citi के बड़े टारगेट प्राइस- ब्रोकरेज फर्म Citi ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों पर 1690 रुपये प्रति शेयर का टारगेट प्राइस दिया है। सिटी ने कंपनी के शेयरों पर बाय रेटिंग को बरकरार रखते हुए इसमें खरीदी की सलाह दी है। वहीं, CLSA ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों पर 1650 रुपये प्रति शेयर का टारगेट प्राइस दिया है, और आउटपरफॉर्म की रेटिंग को बरकरार रखा है। हाल ही में जेफरीज ने भी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 1,650 का टारगेट प्राइस दिय था, जबकि जेपी मॉर्गन ने इस शेयर पर 1,568 के टारगेट के साथ ओवरवेट रेटिंग दी। रिटर्न के लिहाज से पिछले एक साल में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों ने निराश किया है,क्योंकि यह सिर्फ 0.79 फीसदी रिटर्न ही डिलीवर कर पाया है।

अनिल अंबानी की डिफेंस कंपनी को जर्मनी से मिला 600 करोड़ का बड़ा ऑर्डर, शेयर में अपर सर्किट, 400 पार भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनिल अंबानी की डिफेंस कंपनी रिलायंस डिफेंस लिमिटेड को एक बड़ी कामयाबी मिली है। कंपनी को जर्मनी की प्रमुख हथियार निर्माण कंपनी Rheinmetall Waffe Munition GmbH से 600 करोड़ का एक्सपोर्ट ऑर्डर मिला है। यह जानकारी कंपनी ने हाल ही में स्टॉक एक्सचेंज को दी है। इस खबर के बाद अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर में तेजी देखने को मिली। आज बुधवार को कंपनी के शेयर में 5त्न का अपर सर्किट लग गया। यह शेयर 404.05 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया।

यह डील भारत के हाई-टेक डिफेंस और गोला-बारूद सेक्टर में अब तक के सबसे बड़े एक्सपोर्ट ऑर्डर में से एक मानी जा रही है। इससे न सिर्फ भारत की डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग क्षमताएं मजबूत होंगी, बल्कि 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियानों को भी बल मिलेगा।

यूरोप में बढ़ा रिलायंस डिफेंस का प्रभाव- यह करार रिलायंस डिफेंस और जर्मनी की Rheinmetall के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा बनाता है। साथ ही, इससे Reliance Defence की वैश्विक उपस्थिति विशेष रूप से यूरोप में और मजबूत होगी। कंपनी का लक्ष्य भारत की टॉप 3 डिफेंस निर्यातक कंपनियों में शामिल होना है, और यह डील उस दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

धीरूभाई अंबानी डिफेंस सिटी से होगा निर्माण और निर्यात- इस ऑर्डर की पूर्ति के लिए रिलायंस डिफेंस महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के वाटाड में धीरूभाई अंबानी डिफेंस सिटी का निर्माण कर रही है। यह प्रोजेक्ट भारत के निजी क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा डिफेंस निर्माण हब होगा। यहां हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक और स्मॉल आर्म्स के लिए एकीकृत निर्माण इकाइयाँ तैयार की जा रही हैं।

DADC को रक्षा उत्पादन, नवाचार और वैश्विक आपूर्ति का केंद्र बनाने की योजना है, जो भारत के डिफेंस एक्सपोर्ट को नई ऊंचाई पर ले जाएगा।

बैंकिंग सिस्टम में ज्यादा लिक्विडिटी की समस्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल के महीनों में बैंकिंग सिस्टम में लिक्विडिटी यानी नकदी बढ़ाने के लिए रिजर्व बैंक ने कई उठाए हैं, ताकि ब्याज दरें कम हों और बैंक अपने ग्राहकों को सस्ता कर्ज दे सकें। कर्ज सस्ता करने के लिए वह फरवरी से अब तक तीन बार में रेपो रेट भी एक प्रतिशत घटा चुका है। लेकिन अब सिस्टम में लिक्विडिटी कर्ज की मांग की तुलना में बहुत ज्यादा हो गई है। इसलिए रिजर्व बैंक इसे कम करने के उपाय करने जा रहा है। ऐसे में यह सवाल भी उठता है कि इस कदम का बैंक ब्याज दर पर क्या असर होगा।

क्या करने जा रहा है रिजर्व बैंक- RBI ने वैरिएबल रेट रिवर्स रेपो नीलामी की घोषणा की है। इस नीलामी के माध्यम से बैंकिंग रेगुलेटर सिस्टम से अतिरिक्त लिक्विडिटी को बाहर निकालेगा। आरबीआई ने कहा है कि वह 27 जून, शुक्रवार की सुबह 10-10.30 बजे के दौरान इस नीलामी का आयोजन करेगा। यह नीलामी सात दिन चलेगी। केंद्रीय बैंक सात महीने बाद वैरिएबल रेट रिवर्स रेपो नीलामी करने जा रहा है। दिसंबर 2024 में संजय मल्होत्रा के गवर्नर बनने के बाद यह पहली VRRR नीलामी होगी।

क्या होता है वैरिएबल रेट रिवर्स रेपो- VRRR नीलामी में सामान्य बैंक अपने पास मौजूद सरप्लस रकम को आरबीआई के पास जमा करते हैं। इस जमा पर मिलने वाली ब्याज दर प्रतिस्पर्धी बोली के जरिए निर्धारित की जाती है।

अंबानी और अदाणी ने इस खास बिजनेस के लिए मिलाया हाथ, सप्लाई करेंगे मुकेश अंबानी और ये सामान बेचेंगे गौतम अदाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी, देश के दो बड़े उद्योगपति हैं, और नेटवर्थ के मामले में एक-दूसरे को टक्कर देते हैं। इन दोनों बिजनेसमैन के बीच वर्चस्व की लड़ाई चलती रहती है, लेकिन पहली बार ऐसा हुआ है जब अदाणी और अंबानी ने किसी बिजनेस को साथ करने के लिए हाथ मिलाया है। दरअसल, अदाणी टोटल गैस लिमिटेड (ञ्जतरु) और जियो-बीपी, रिलायंस इंडस्ट्रीज और ब्रिटिश पेट्रोलियम के बीच ज्वाइंट वेंचर, ने भारत में पेट्रोल-डीजल की रिटेल बिक्री के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए एक अहम समझौता किया है।

इस करार के तहत दोनों कंपनियां अपने स्टेशन और रिसोर्स की मदद से ग्राहकों को ऑटो ईंधन विकल्पों की व्यापक रेंज उपलब्ध कराएंगी। इससे पहले मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने गौतम अदाणी की कंपनी अदाणी पावर की मध्य प्रदेश में एक बिजली परियोजना में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी।

अदाणी-अंबानी की इस डील में क्या खास- अदाणी टोटल गैस और जियो-बीपी के बीच हुए इस एग्रीमेंट के तहत, चयनित ATGL ईंधन स्टेशन पर जियो-बीपी के हाई-परफॉर्मेंस वाला पेट्रोल और डीजल ऑफर करना शुरू कर देंगे।

ATGL के अधिकृत भौगोलिक क्षेत्रों के दायरे में जियो-बीपी आउटलेट स्थापित किया जाएगा। इस समझौते का उद्देश्य परिवहन उपभोक्ताओं के लिए ईंधन की पहुँच और सुविधा को बढ़ाना है।

अदाणी टोटल गैस का बड़ा डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क- बता दें कि अदाणी टोटल गैस, अदाणी ग्रुप और टोटल एनर्जीज के बीच एक ज्वाइंट बिजनेस वेंचर है। यह भारत के सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन में एक अहम प्लेयर है। यह कंपनी रेसिडेंशियल, कमर्शियल और इंडस्ट्रियल ग्राहकों को पाइप्ड नेचुरल गैस की आपूर्ति करती है और लगभग 650 सीएनजी स्टेशनों का नेटवर्क संचालित करती है।

बैटरी, हाइड्रोजन, सोलर... अब यहां मुकेश अंबानी की बड़ी तैयारी, करेंगे कुछ ऐसा कि दुनिया देखती रह जाएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी एक बार फिर भारत को दुनिया के नक्शे पर नई ऊंचाई देने की तैयारी में हैं। इस बार बारी हरित ऊर्जा की है। उन्होंने साफ कहा है कि रिलायंस अब क्लीन एनर्जी के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम तैयार करने में लगी है।

20 साल आगे की सोच- अंबानी ने कहा, हर बार जब हम कोई नया बिजनेस शुरू करते हैं, तो खुद से एक सवाल करते हैं कि भारत के विकास के लिए सबसे जरूरी क्या है? और हम इसे बड़े स्केल पर, लंबे समय तक कैसे कर सकते हैं? उनका मानना है कि अनुभव और दूरदृष्टि के दम पर कंपनी आज से 20 साल आगे की जरूरतों का अनुमान लगाकर तैयारी करती है। जैसे कभी पॉलिएस्टर, फिर 4त्न और अब ग्रीन एनर्जी पर काम रहे हैं।

50 से 100 साल की उड़ान- रिलायंस 2027 में अपनी स्थापना के 50 साल पूरे कर लेगी। लेकिन मुकेश अंबानी की नजर 100 साल के सफर पर है। उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि रिलायंस सौ साल बाद भी भारत और इंसानियत की सेवा करता रहे।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, चोरी की वारदातों में कई नाबालिग आरोपी भी मिल रहे

जबलपुर। जिले में दो पहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह को पुलिस ने पकड़ा। शहपुरा और पनागर में 6 आरोपी पकड़े गए हैं जिनके पास से 16 दो पहिया वाहन जिनकी कीमत करीब 12 लाख रुपये है, जब्त हुए है। पुलिस ने चोरी के वाहन खरीदने वाले तीन लोगों को भी आरोपी बनाया है।

पूछताछ में पता चला है कि वाहन चोरी करने के बाद वे उन वाहनों को कबाड़ के दाम पर बेच देते थे। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में नाबालिग आरोपियों के नाम भी सामने आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि पनागर से चोरी हुई बाइक पर अधारताल नेता कालोनी निवासी मो. आदिल नामक युवक सैर सपाटा कर रहा है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा और वाहन के संबंध में पूछताछ किए जाने उसने पनागर क्षेत्र से चोरी करना कबूल किया।

इन गाड़ियों को चुराया और बेचा

वहीं उसने अपने साथी मो. मेहराज के साथ मिलकर गोरखपुर से मोपेड क्रमांक एमपी 20 एसजे 8240, माढ़ोताल से मोपेड क्रमांक एमपी 20 जेडएस 8793 चोरी कर उन वाहनों को अधारताल कटरा मस्जिद के पास रहने वाले सद्दाम उस्मानी को 5-5 हजार में बेचना बताया।

साथ ही उसने बताया कि, सुदामा बर्मन के साथ मिलकर भेड़ाघाट से बाइक क्रमांक एमपी 22 एमएफ 7403 और गोराबाजार से मोपेड क्रमांक एमपी 20 जेडएच 7964 चोरी कर कैलाश धाम निवासी ओम बेन को 5-5 हजार में बेचना बताया।

इसी तरह अपने एक नाबालिग साथी के साथ मिलकर माढ़ोताल से मोपेड क्रमांक एमपी 20 जेडएच 3453, गौरीघाट से मोपेड क्रमांक एमपी 20 जेडसी 9866 चोरी कर कटंगी निवासी साहिद खान को 5-5 हजार में बेचना कबूल किया।

धरनावदा घटना स्थल पहुंचे प्रभारी मंत्री

गुना। जिल के धरनावदा में हुए हादसे पर प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने दुख जताया। बुधवार को घटना स्थल पहुंचे गोविंद सिंह राजपूत ने कुआं का निरीक्षण किया तथा मृतकों के स्वजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढ़स बंधाया। साथ ही प्रभारी मंत्री ने मृतकों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर ग्रामीणों ने गोसेवकों के स्वजन को एक-एक करोड़ रुपये सहायता की मांग की। इस पर प्रभारी मंत्री ने उचित मुआवजा और स्वजनों को शासन की योजनाओं का लाभ देने की बात कही। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार, जिला पंचायत अध्यक्ष अरविंद धाकड़, भाजपा नेता हीरेंद्र सिंह, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विकास जैन सहित गुना कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ठाकुर आदि रहे।

यह था पूरा मामला- बता दें कि जिले के धरनावदा क्षेत्र में मंगलवार दोपहर करीब 12.30 बजे एक कुएं में गिरी गाय को बचाने कुएं में उतरे दो युवकों सहित पांच लोगों की मौत हो गई थी। जबकि एक युवक को खटिया के सहारे रेस्कयू कर बाहर निकालकर बचा लिया गया। जानकारी के अनुसार कुएं में उतरकर घबराहट महसूस करने लगे थे और एक-एक कर कुछ ही पलों में अचेत होते चले गए।

कुएं में थी जहरीली गैस- जानकारी के अनुसार सभी मृकर पास ही सब्जी की बाड़ी में काम कर रहे थे, जिन्हें एक व्यक्ति ने कुएं में गाय गिरने पर निकालने के लिए मदद के तौर पर बुलाया था। अचानक एक गाय दौड़ते हुए बिना मुंडेर के कुएं में जा गिरी थी जिसे बचाने के लिए रस्सी के सहार उतरे 6 लोगों में से 5 की दम घुटने के कारण मौत हो गई। लोगों को संदेह है कि कुएं में जहरीली गैस थी जिसकी चपेट में आकर पांचों की मौत हुई।

घटना की सूचना लगते ही कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, एसपी अंकित सोनी सहित राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह मौके पर पहुंचे।

पीड़ितों से मिले जीतू पटवारी

छतरपुर। छतरपुर जिले की

सुमेडी गांव में कुछ दिन पहले दबंगों ने हथियारों की दम पर एक महिला सहित उसके दो बच्चों का अपहरण किया था और खुलेआम कार में बिठाकर ले गए थे, इस घटना को लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष जीतू पटवारी मंगलवार देर रात सुमेडी गांव पहुंचे और पीड़ित परिवार से चर्चा की।भाजपा पर लगाए आरोप

इस दौरान पीड़िता के स्वजनों ने बताया की हथियारबंद बदमाश खुलेआम आए और अपहरण की घटना को अंजाम देकर चले गए। जब हमने विरोध किया तो हमारे साथ मारपीट की गई। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के सामने सुमेड़ी काण्ड के आरोपियों के लवकुशनगर भाजपा मण्डल अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के निकट सम्बन्ध होने के आरोप लगाए गए।

जीतू पटवारी ने पीड़ितों की समस्या को सुना और उनके साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर कांग्रेस के पूर्व विधायक कार्यकर्ता और पार्टी संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे। हालांकि पुलिस ने अपहरण की घटना को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपियों सहित आठ लोगों को दूसरे दिन गिरफ्तार कर लिया था और बदमाशों के चंगुल से महिला और बच्चों को सुरक्षित कर दिया था।

यह था पूरा मामला- गौरतलब है कि 21 जून 2025 को थाना लवकुश क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सुमेड़ी में कुछ लोगों ने आकर मारपीट, फायरिंग एवं अपहरण जैसी घटना को अंजाम दिया गया था।

मां की हत्या करने वाले को आजीवन कारावास की सजा

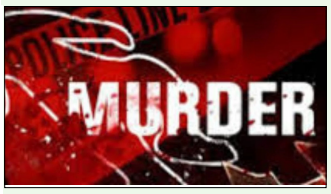

नरसिंहपुर। मां के हत्यारे कलयुगी बेटे को द्वितीय अतिरिक्त न्यायाधीश आलोक मिश्रा ने दोषी मानकर आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। स्टेशगंज थानांतर्गत गयादत्त वार्ड मंडी रोड में करीब दस महीने पहले अपनी मां की हत्या करने वाले आरोपी को कोर्ट ने सजा सुना दी है। कोर्ट ने आजीवन कारावास के साथ आरोपी विजय राजपूत पर एक हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।

जिला मीडिया सेल प्रभारी ने बताया कि अभियुक्त विजय शराब पीने का आदी है, जबकि उसकी मां गुलाब बाई उसे शराब पीने से मना करती थी। जिसे लेकर वह गुलाब बाई से झगड़ता था। बीती 13 अगस्त 2024 की सुबह करीब साढ़े तीन बजे आरोपी की पड़ोसी द्रोपदी बाई की नींद शोर सुनकर खुली। उसने सुना कि अभियुक्त चिल्ला रहा है कि उसने अपनी मां के ऊपर सिल पटककर मार दिया है।

द्रोपदी बाई ने अपने बेटे अभिषेक को उठाया और सारी बात बतायी। दौलत सिहं भी जाग गया तथा पड़ोसी संजय लोधी को भी फोन करके बुलाया गया।

विद्युत कंपनियां मेंटेनेंस में कर रही लापरवाही

जबलपुर। प्रदेश की बिजली वितरण कंपनियां मेंटेनेंस में कोताही बरत रही हैं। इंदौर की पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को छोड़ दें तो भोपाल की मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी और जबलपुर की पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने करोड़ों रुपये मिलने के बावजूद मेंटेनेंस पर ध्यान नहीं दिया, लिहाजा लगभग आधी राशि ही खर्च कर पाए।

नतीजा हल्की वर्षा, हवा में बिजली बंद हो रही है। लोड बढ़ने पर उपकरण खराब हो रहे हैं। वर्षा सीजन शुरू होते ही बिजली ट्रिपिंग और फाल्ट की संख्या में इजाफा हो गया है। यह खुलासा बिजली वितरण कंपनियों द्वारा मप्र विद्युत नियामक आयोग को भेजी गई जानकारी से हुआ है। बता दें कि पिछले चार साल से भोपाल की मध्य क्षेत्र और जबलपुर की पूर्व क्षेत्र वितरण कंपनी मेंटेनेंस की पूरी राशि खर्च नहीं कर पाई है। 2023-24 में पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को मेंटेनेंस के लिए 289 .64 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए थे उसमें सिर्फ 192.10 करोड़ रुपये खर्च कर सकी। वहीं मध्य क्षेत्र वितरण कंपनी ने 50 प्रतिशत और पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 101 प्रतिशत राशि खर्च की।

आयोग की ओर से प्रत्येक विद्युत वितरण कंपनी को उपभोक्ताओं की उचित सेवा, उपकरणों, बिजली लाइनों का रखरखाव और जरूरी मेंटेनेंस व कर्मचारियों लाइनमेनों आदि को सुरक्षा उपकरण प्रदान करने के लिए यह राशि दी जाती है, लेकिन उसका पूरा उपयोग नहीं हो रहा है। वर्ष 24-25 के आंकड़े अभी नहीं आए हैं।इसे लेकर मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी के पूर्व अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजेंद्र अग्रवाल न बताया कि आयोग ने रखरखाव के लिए जो राशि आवंटित की थी उसमें सिर्फ पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने पूरा खर्च किया है।

इंदौर में काम करने वाला अधिकारी साधारण नहीं हो सकता - संभागायुक्त

इंदौर प्रेस क्लब में हुआ जनसंपर्क संयुक्त संचालक श्री पटेल का बिदाई समारोह

इंदौर। इंदौर प्रदेश का सबसे बड़ा शहर ही नहीं बल्कि एक विशिष्ट शहर भी है और यहां जो भी अधिकारी काम करने आता है वो असाधारण व्यक्तित्व का धनी होता है, जनसंपर्क विभाग के संयुक्त आयुक्त डॉ आर आर पटेल उन्ही विलक्षण व्यक्तित्व में शुमार होते है। बीते आठ वर्षो से वे बहुत निष्ठा के साथ अपनी कर्तव्य परायणता को निभाते आ रहे है। यह बात संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने कही। वे इंदौर प्रेस क्लब में आयोजित श्री पटेल के बिदाई समारोह में बोल रहे थे। गौरतलब है कि संयुक्त संचालक जनसंपर्क श्री पटेल का दीर्घ सेवाओं के बाद हाल ही में भोपाल स्थानांतरण हुआ है। संभागायुक्त दीपक सिंह ने कहा वैसे तो जनसंपर्क अधिकारी की कभी बिदाई नहीं होती और हम भी श्री पटेल को बिदा नहीं बल्कि उनका सम्मान कर रहे है। उन्होंने प्रशासन और प्रेस के बीच एक मजबूत सेतू की भूमिका का निर्वाहन किया जिसे सदैव याद किया जाता रहेंगा। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह, निगमायुक्त श्री शिवम वर्मा भी विशेष रूप से मौजूद थे।

हमेशा रहा सहयोगात्मक रवैया- स्वागत उद्बोधन देते हुए इंदौर प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री अरविंद तिवारी ने कहा कि श्री पटेल जनसंपर्क विभाग के उन चुनिंदा अधिकारियों में से एक है जिनका रवैया हमेशा सहयोगात्मक रहा। पत्रकारों की छोटी छोटी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया और जब भी जरूरत पड़ी वे मदद से पीछे नहीं हटे। श्री पटेल से इंदौर प्रेस क्लब और पत्रकार बिरादरी का परिवारिक नाता बन चुका है जो जीवन पर्यन्त कायम रहेंगा।

श्री पटेल के रहते चिंता नहीं रहती थी- अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह ने कहा कि श्री पटेल के साथ इतना बेहतर समन्वय था कि किसी प्रकार की चिंता नहीं रहती थी। खास कर वीआईपी वीवीआईपी दौरे से वक्त क्योकि हर छोटे छोटे पाईंट

क्लीयर रहते थे जिससे हमे व्यवस्था बनाए रखने में खास मदद होती थी। श्री सिंह ने श्री पटेल को बधाई देते हुए कहा कि जल्द ही हम उन्हें बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका में देखेंगे।

कम वक्त में हो गई गहरी आत्मीयता- निगमायुक्त श्री शिवम वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि इंदौर पोस्टिंग के बाद वे श्री पटेल के संपर्क में आए तो पहली ही बार में उनके व्यवहार के मुरीद हो गए। सामान्जस्य स्थापित करने के उनके गुण ने साबित कर दिया कि इस पद के लिए श्री पटेल ही श्रेष्ठ है। पदोन्नत या तबादला नौकरी का एक हिस्सा है पर जब इतने लोग आपके सम्मान में एकत्र हो यह हमारे काम का सबसे बड़ा इनाम होता है।

लिवइन का दर्द और पारिवारिक कलह, दो युवाओं ने खाया जहर, मौत से पहले किया ये खुलासा

इंदौर। 24 वर्षीय सुनील धुनधाड़े ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। सुनील इंदौर के राजेन्द्र नगर क्षेत्र के भीमनगर में रहता था। घर में तबीयत बिगड़ने पर उसने अपने दोस्त विकास को फोन किया, जिसने उसे एमवाय अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।तलाकशुदा महिला के साथ लिवइन में रहा

अस्पताल ले जाते समय सुनील ने विकास को बताया कि उसने लिव-इन पार्टनर दिव्या से बातचीत की थी। दिव्या एक तलाकशुदा महिला है, जिसके साथ सुनील दो महीने पहले तक साथ रह रहा था। दोनों के बीच कहासुनी के चलते दिव्या उसे छोड़कर चली गई थी। इस घटना के बाद से सुनील तनाव में रहने लगा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पारिवारिक विवाद में व्यापारी ने की आत्महत्या- सिमरोल थाना क्षेत्र के दातोदा गांव में हाट बाजार में व्यापार करने वाले 25 वर्षीय नारायण कसेरा ने सोमवार को पारिवारिक विवाद के चलते जहर खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर उसका भाई गोलू उसे एमवाय अस्पताल लेकर गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिवार के अनुसार, नारायण की अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी, जिसके बाद उसकी मां ने बहू को मायके भेज दिया था। नारायण की शादी को लगभग चार साल हो चुके थे। पहले उसे दो निजी अस्पतालों में ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने उसे एमवाय रेफर कर दिया था। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

इंदौर जिले के 500 उद्योगपति होंगे RISE 2025 कॉन्क्लेव में शामिल

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में RISE 2025 कॉन्क्लेव का आयोजन 27 जून को रतलाम के पोलो ग्राउंड में होने जा रहा है। यह रीजनल इंडस्ट्री स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव प्रदेश के औद्योगिक और उद्यमिता परिदृश्य को नई दिशा देने की एक महत्वपूर्ण पहल है।

संयुक्त संचालक उद्योग इंदौर श्री एस. एस. मंडलोई ने बताया कि इस कॉन्क्लेव में इंदौर जिले से 500 से अधिक उद्योगपति भाग लेंगे। वे न केवल अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे, बल्कि उद्योग, नवाचार और रोजगार सृजन को लेकर चल रही योजनाओं और संभावनाओं पर संवाद भी करेंगे।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण 100 से अधिक एमएसएमई, स्टार्टअप और स्व-सहायता समूहों द्वारा नवाचारों और उत्पादों की प्रदर्शनी होगी। यह प्रदर्शनी प्रदेश के विविध क्षेत्रों के उद्यमियों को एक साझा मंच प्रदान करेगी, जिससे नेटवर्किंग, साझेदारी और निवेश के नए अवसर सृजित होंगे।

इस आयोजन से युवाओं को रोजगार और प्रशिक्षण के अवसर भी मिलेंगे, वहीं प्रदेश के उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलेगी। कॉन्क्लेव में प्रदेश के वरिष्ठ मंत्रीगण, प्रशासनिक अधिकारी, औद्योगिक संगठन और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ भी उपस्थित रहेंगे।

राजा की हत्या में पकड़ाया ग्वालियर का बिल्डर

इंदौर। ट्रांसपोर्ट कारोबार राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में फ्लैट के मालिक लोकेंद्र तोमर को ट्रांजिट रिमांड पर सौंपा गया है। राजा की हत्या के बाद सोनम शिलांग से लौटकर इंदौर में लोकेंद्र के फ्लैट में ही रुकी थी। लोकेंद्र को सोमवार को शिलांग एसआईटी ने ग्वालियर से गिरफ्तार किया था। मंगलवार को शिलांग एसआईटी ने उसे कोर्ट में पेश किया। शिलांग पुलिस को कोर्ट ने लोकेंद्र की 72 घंटे की ट्रांजिट रिमांड दी है। अब शिलांग पुलिस लोकेंद्र को इंदौर लेकर आएगी। इसके बाद फ्लाइट से उसे गुवाहटी और फिर सड़क मार्ग से शिलांग ले जाया जाएगा। शिलांग में उसे कोर्ट में पेश कर पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा। पुलिस इंदौर लाने से पहले उसका मेडिकल टेस्ट कराएगी। इसके बाद बाय रोड इंदौर के लिए रवाना होगी।

मीडिया से की बात

पुलिस के द्वारा पेशी के लिए जाते वक्त लोकेंद्र ने मीडिया से बात की। उसने कहा कि मुझे अभी आरोपों का पता नहीं है। मैं छूटकर आऊंगा तो प्रेस कॉन्फ्रेंस करूंगा और सब सच बताऊंगा। इससे पहले पुलिस ने लोकेंद्र का मेडिकल चेकअप भी कराया।

फ्लैट में रुकी थी सोनम, बैग भी जला मिला

राजा की हत्या के बाद में लोकेंद्र की बिल्डिंग के फ्लैट में सोनम 30 मई से 7 जून तक रुकी थी। लोकेंद्र ने यह बिल्डिंग शिलोम जेम्स को किराए पर दी थी। पुलिस सोमवार शाम करीब 4.30 बजे ग्वालियर के गांधीनगर में एमके प्लाजा के फ्लैट नंबर 105 में पहुंची थी। प्लाजा के गार्ड ने बताया कि सिविल ड्रेस में चार लोग आए थे। उन्होंने गाड़ी दूर ही

प्रदेश के 413 नगरीय निकायों में हुई जल सहेजने की गतिविधियां

इंदौर। प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में नगरीय क्षेत्रों में जल गंगा संवर्धन अभियान में सामूहिक जनभागीदारी से जल सहेजने के लिये 413 नगरीय निकायों में 30 मार्च से विभिन्न गतिविधियां निरंतर संचालित हो रही हैं। इस कार्य में जनप्रतिनिधियों ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सेदारी की। नगरीय निकायों में जल स्त्रोतों का संरक्षण व पुनर्जीवन, जनसामान्य में जल संचय और संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता का विकास, सामूहिक सहभागिता से स्थाई जल संरचनाएं विकसित करने के साथ ही नदियों, तालाबों, कुओं, बावड़ियों और पारंपरिक जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार का कार्य प्रमुख रूप से किया गया।

नर्मदा नदी से लगे शहरी क्षेत्र में घाटों की मरम्मत और सफाई कार्य को प्राथमिकता दी गई। नगरीय निकायों में 3300 से अधिक जल स्त्रोतों को पुनर्जीवन दिया गया। नगरीय क्षेत्र के 2200 नालों की सफाई और पुर्नसंचालन की क्षमता विकसित की गई। प्रदेश में 4 हजार वर्षा जल संचयन संरचनाएं तैयार की गई। प्रदेश के प्रमुख नगरों में 32 अमृत जल संरचनाएं एवं 38 हरित क्षेत्र कार्य पूर्ण किये गये। नगरीय निकायों के कर्मियों ने शहरी क्षेत्रों में जल गुणवत्ता का परीक्षण फिजिकल, केमिकल और बायोलॉजिकल मानकों पर किया गया। मार्च 2025 से शुरू हुए अभियान में गर्मी के मौसम को देखते हुए नगरीय क्षेत्रों में 2700 सार्वजनिक प्याऊ और जल केन्द्रों की व्यवस्था की गई। इस पूरे अभियान में जनसहभागिता अभियान की आत्मा रही। अभियान में 70 हजार से अधिक नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की गई। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 341 कलश यात्राएं नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली गईं। इनमें महिलाओं की भागीदारी प्रमुख रही। अभियान से जुड़े 1000 जल नायक और जल मित्रों का माय भारत पोर्टल पर पंजीयन किया गया।

कलेक्टर आशीष सिंह ने आमजन से रूबरू होकर सुनी समस्याएं

इंदौर। कलेक्टर कार्यालय में सम्पन्न हुई जनसुनवाई में आज कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बड़ी संख्या में नागरिकों से रूबरू होकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनका संवेदनशीलता के साथ हाथों-हाथ निराकरण किया। ऐसी समस्याएं जो मौके पर निराकृत नहीं हो सकी, उनके निराकरण के लिए समय-सीमा तय की गई। प्रति मंगलवार की तरह इस मंगलवार भी कलेक्टर कार्यालय में आज जनसुनवाई सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में आवास, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चेक बाउंस, निजी भूमि पर अतिक्रमण, बीमार व्यक्ति को आर्थिक सहायता आदि संबंध में आवेदन आयें। जनसुनवाई में प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया। शेष प्रकरणों को तय समय-सीमा में निराकृत करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके साथ ही जरूरतमंदों को इलाज, शिक्षा एवं रोजगार सहायता भी प्रदान की गई। निर्देश दिए गये कि जो प्रकरण मौके पर निराकृत नहीं हो सकते, उन्हें सीएम हेल्पलाइन में दर्ज कर, समय-सीमा में सकारात्मक समाधान किया जाए। जनसुनवाई में आए हर आवेदन का फॉलोअप सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि किसी भी आवेदक को दोबारा परेशानी का सामना न करना पड़े। त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों एवं मध्यस्थता केंद्रों को प्रेषित किए गए है ताकि निर्धारित समय-सीमा में इनका निराकरण हो सकें। जनसुनवाई में आज कलेक्टर कार्यालय में अपर कलेक्टरों और अन्य विभागीय अधिकारियों द्वारा आवेदकों की समस्याओं को सुना गया और उनका निराकरण किया गया।

जुएं में हारा तो पत्नी को सौंप दिया, दोस्तों ने किया गैंगरेप

इंदौर। इंदौर में एक महिला ने अपने पति और उसके दोस्त के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का केस दर्ज कराया है। महिला ने बताया कि जुएं में हारने के बाद पति ने अपने दोस्त के साथ जबरन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया।

धार में हुई शादी, इंदौर महिला थाने पहुंची पीड़िता- महिला अपने परिजनों के साथ इंदौर अपने वकील के पास पहुंची थी। जिसके बाद उसे महिला थाने भेज दिया गया। वहां पीड़िता ने अपनी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के मुताबिक पीड़िता राजस्थान की रहने वाली है। उसकी शादी धार में एक युवक से हुई है। वह धार में अपने पति के साथ रहती है। उसका पति जुआं खेलने का आदी है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि पिछले दिनों जब वह अपने दोस्तों के साथ जुआं खेल रहा था तो वह उसके दोस्त अभिमन्यु से हार गया। इसके बाद उसने पत्नी को अभिमन्यु को सौंप दिया। उसने अभिमन्यु के साथ संबंध बनाने के लिए दबाव बनाया। पति के यह सब करने के बाद अभिमन्यु ने महिला का शोषण किया। इसके बाद से लगातार यह हरकतें होती रही और पति अपनी पत्नी को अन्य दोस्तों के पास भी भेजने लगा। टूटकर महिला ने इस मामले की शिकायत महिला थाने में की।

पति और दोस्त पर प्रकरण दर्ज- पुलिस ने पीड़िता के पति और दोस्त पर प्रकरण दर्ज किया है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित सिंह ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर महिला थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर इस पूरे मामले की जांच को धार पुलिस को सौंप दिया है। धार पुलिस आगे कार्रवाई करेगी। पीड़िता की शिकायत पर पति और उसके पति के दोस्त के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। प्रारंभिक तौर पर पैसों के लेन-देन का मामला सामने आ रहा है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

अवैध रूप से शराब की बिक्री व कच्ची शराब निर्माण पर रोक लगाये-संभागायुक्त

इस वर्ष संभाग में 10.53 प्रतिशत राजस्व वृद्धि हुई- हर्षवर्धन राय

उज्जैन । संभागायुक्त संजय गुप्ता की अध्यक्षता में बुधवार को आबकारी विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक प्रशासनिक संकुल भवन के कमिश्नर कार्यालय सभागृह में आयोजित की गई। संभागायुक्त श्री गुप्ता ने सभी जिलों के आबकारी अधिकारियों को कहा कि एनडीपीएस के कैस बनाते समय पब्लिक प्रॉसिक्यूटर की मदद ली जाए व उन्हें बैठकों में बुलाया जाए ।

श्री गुप्ता ने अवैध रूप से शराब की बिक्री ना हो, कच्ची शराब का निर्माण बिल्कुल ना हो यह सुनिश्चित करने के लिए सतत निगरानी और प्रकरण बनाने की प्रक्रिया में उचित धाराओं का उपयोग कर साक्ष्यों को व्यवस्थित रुप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए जिससे अपराधी के छूटने की संभावना ही ना हो। बैठक में श्री गुप्ता ने आबकारी अमले को एनडीपीएस एक्ट संबंधित प्रकरण बनाने के लिए प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिए ।

बैठक में श्री गुप्ता ने जिलेवार समूह को वितरित कंपोजिट मदिरा दुकानों की जानकारी ली व संभाग के सभी जिलों में आबकारी राजस्व में वृद्धि की समीक्षा की । समीक्षा के दौरान उपायुक्त आबकारी हर्षवर्धन राय ने जानकारी देते हुए बताया कि धार्मिक नगर उज्जैन को छोड़कर सभी स्थानों पर राजस्व में वृद्धि दर्ज की गई है । इस वर्ष संभाग में 10.53 प्रतिशत राजस्व वृद्धि हुई है। संभाग के मंदसौर में 13.19 प्रतिशत, नीमच में 20 प्रतिशत, रतलाम में 21.22 प्रतिशत, देवास में 21.37 प्रतिशत, शाजापुर में 16.98 प्रतिशत, आगर मालवा में 20 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई वही उज्जैन नगर निगम क्षेत्र में शराब बंदी के पश्चात 5.50 प्रतिशत राजस्व की कमी दर्ज की गई है । संभाग में संचालित मदिरा दुकानों द्वारा 2 हजार 29 करोड़ रुपए से अधिक का वार्षिक निष्पादित मूल्य प्राप्त होगा ।

संभागायुक्त श्री गुप्ता ने वेयरहाउस के स्टॉक की जानकारी ली और वेयर हाउसेस के सतत निरीक्षण करने के आदेश दिए । उपायुक्त आबकारी श्री राय ने बताया कि अब समूह को भी पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होता है जो की 100त्न पारदर्शी होता है। समूह द्वारा केवल रजिस्टर्ड बैंकों की ही गारंटी मान्य की जाती है जिससे वसूली भी की जा सकती है।

श्री चक्रतीर्थ न्यास प्रबंध कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

उज्जैन। उज्जैन नगर के प्राचीन शवदाह स्थल चक्रतीर्थ न्यास की प्रबंध कार्यकारिणी की बैठक कल दिनांक 24 जून को सम्पन्न हुई जानकारी देते हुए न्यास के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री श्री अशोक प्रजापत ने बताया कि चक्रतीर्थ न्यास वर्ष 1978 से आम जनमानस को शवदाह के लिए उचित मूल्य पर लकडी एवं कंडे उपलब्ध करवाता आ रहा है। साथ ही उक्त स्थल को जनोपयोगी एवं रमणीक बनाने के लिए भी शासन-प्रशासन के सहयोग से निरंतर कार्यरत है।

बैठक का संचालन प्रसिद्ध समाजसेवी श्री हरि सिंह जी यादव द्वारा किया गया जिसमें उनके द्वारा बैठक का एजेण्डा प्रस्तुत करते हुए दिवंगत न्यासीगणों के पद पर पूर्ति हेतु प्रस्ताव दिया गया जिसमें न्यास के सचिव पर श्री अभय यादव को सर्वानुमति से नियुक्ति किया गया।

सभी उपस्थित जनों ने करतल ध्वनि से श्री अभय यादव की नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त किया।

श्री अभय यादव ने न्यास में नियुक्ति को लेकर अपने विचार रखते हुए बताया कि यह मेरे लिए गर्व का विषय है कि मैं इतने लंबे समय से निस्वार्थ भावना से कार्य कर रही संस्था का पदाधिकारी नियुक्ति हुआ हूं मैं आने वाले दिनों में भौतिक रूप से उक्त स्थल का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं को संज्ञान में लेते हुए शेष रहीं कमियों को पूर्ण करने का पूरा प्रयास करूंगा।इस अवसर पर ट्रस्ट के दिवंगत पदाधिकारियों के लिए दौ मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रृद्धांजलि दी गई। साथ ही नवीन नियुक्त न्यासीगणों जिनमें सर्व श्री शिवा खत्री, श्री अशोक जैन (मुन्ना सरकार), सोनू यादव जी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। न्यास में नियुक्त अन्य न्यासीगणों में श्री राहुल मूथा एवं श्री रमेश जी हेडा है।

वाल्मिकी समाज की संभाग कौर कमेटी कार्यकारिणी गठित

उज्जैन। वाल्मिकी समाज अधिकारी कर्मचारी संघ सम्पूर्ण भारत इकाई उज्जैन संभाग की संभाग कार्यालय पर बैठक रखी गई। बैठक अध्यक्ष हेमराज घावरी, संभाग कौर कमेटी अध्यक्ष जीतेन्द्र भाटी, जिला अध्यक्ष रवि सिहोते के नेतृत्व में रखी गई। बैठक में उज्जैन संभाग कौर कमेटी अध्यक्ष जीतेन्द्र भाटी के द्वारा 11 सदस्यों की उज्जैन संभाग कौर कमेटी कार्यकारिणी गठित की गई। इस दौरान जीतेन्द्र कुमार गोसर, दिनेश लावरे, कुन्दन गिरजे, रामु हन्स, कमल फतरोड़, दिनेश तंवर, घनश्याम छपरी मौजूद रहे। यह जानकारी सोशल मीडिया प्रभारी अजय डागर ने दी।

राजस्थान पुजारी सेवक संघ का अधिवेशन संपन्न

उज्जैन। देश में पुजारियों पर हो रहे दमन आक्रमण, प्राण घातक हमले एवं पुजारियों की रोजी रोटी छीनकर मंदिर पूजा से बेदखल करना एवं गांव से भी बाहर पलायन करने जैसी स्थिति पुजारियों की राजस्थान में दबंगों द्वारा की जा रही है। इसको लेकर पूरे राजस्थान प्रदेश में राजस्थान पुजारी सेवक संघ आंदोलनरत है । सेवक संघ की संभागीय बैठक कोटा बूंदी झालावाड़ सहित अन्य पुजारी की एक बैठक कोटा केशव नगर आलनिया माता मंदिर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश पुजारी जी महाकाल मंदिर उज्जैन की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें पुजारी प्रोटेक्शन एक्ट सरकार बनाए जाने सहित अनेकों प्रस्ताव रखे गए जिन्हें ध्वनि मत से पास किए गए। दबंगो द्वारा एक पुजारी पर प्राण घातक हमला किया गया मां बहन बेटियां को अपमानित किया गया मंदिरों की जमीनों पर बलात कब्जा कर लिया। इस विषय को लेकर पुजारियों में काफी रोष देखा गया ऐसे दबंगों ओर उनके समर्थक विधायक एवं अन्यों के पुतले पूरे राजस्थान में किए जाएं इस विषय को लेकर धरना आन्दोलन भी जारी है यह भी निर्णय लिया गया कि देश ओर प्रदेश में सरकार है वह हिंदू सनातन धर्म ओर मंदिरों की रक्षक है लेकिन इसके विपरीत देखने में आ रहा की इसी सरकार के अंदर जो नुमाइंदे है तथा कथित लोग है वह पुजारियों की जमीनों पर कब्जा करने ओर मंदिरों से वंशानुगत पुजारियों को हटाकर अपने चहते लोगों को पुजारी बनाना चाहते है।

नगर निगम गेट पर बैठकर कांग्रेसी पार्षदों ने की आयुक्त के खिलाफ नारेबाजी

उज्जैन। नगर निगम परिषद का सम्मेलन आज 26 जून को होगा जिसमें विभिन्न शहर विकास के मुद्दों पर चर्चा होगी। सम्मेलन से पूर्व 25 जून को कांग्रेस पार्षद दल की बैठक नेता प्रतिपक्ष रवि राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने बताया कि कांग्रेस पार्षदों द्वारा नगर निगम में पिछले 3 वर्षों से निर्माण कार्य नहीं होने अथवा अनेक प्रकार की समस्याओं के संदर्भ में आयुक्त नगर निगम को बार-बार अवगत कराया गया। 20 दिवस पूर्व कांग्रेस पार्षद दल और शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश भाटी द्वारा आयुक्त नगर निगम से चर्चा की गई थी। सभी समस्याओं के समाधान के लिए आयुक्त द्वारा शीघ्रता से कार्रवाई करने हेतु आश्वासन दिया गया था जिन वार्डों में ठेकेदारों द्वारा कार्य पूर्ण कर दिए गए उनके भुगतान संबंधी भी चर्चा की गई थी परंतु कांग्रेस पार्षदों के वार्डों में किए गए निर्माण कार्य के भुगतान नहीं करने पर बैठक में कांग्रेस के पार्षदों का गुस्सा चरम पर था। सभी ने आयुक्त की वादा खिलाफी, आयुक्त की मनमर्जी, आयुक्त के कार्य पद्धति को, लेकर के निगम गेट पर धरना प्रदर्शन किया। इसी क्रम में आज 26 जून को भी कांग्रेस पार्षदों द्वारा आयुक्त के विरुद्ध नगर निगम गेट पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। नगर रवि राय ने आरोप लगाया कि निगम में बिना कमीशन के कोई कार्य नहीं हो रहा। अनेक फाइले महीने तक अधिकारियों के हस्ताक्षर का इंतजार करती है। कमीशन इतना बढ़ चुका है कि नगर निगम में ठेकेदारों ने काम करना बंद कर दिया है और निविदा आमंत्रित 15-15 बार भी री कॉल हो चुकी है आखिर जनता के कार्यों को, वार्ड की टूटी हुई सड़कों, नालियों, उद्यानों, टूटे चेंबर पर कौन कार्य करेगा। मध्य प्रदेश शासन करोड़ों रुपए की घोषणा प्रतिदिन करता है परंतु नगर निगम के निकलने वाले टेंडर में कोई भागीदारी कोई ठेकेदार तैयार नहीं है ना कोई एजेंसी तैयार है।

केवल मात्र नगर निगम में इवेंट के कार्यक्रम चल रहा है और सारा पैसा इवेंट पर खर्च हो रहा है। रवि राय ने कहा कि इन विषम परिस्थितियों में पार्षद साथियों द्वारा 3 वर्ष केवल नागरिकों के उलाहना सहन करते निकल गए। नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने कहा कि नगर निगम के किए गए भुगतानों की जांच होना चाहिए।

मध्य प्रदेश में डेयरी विकास : संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 4 जुलाई से

उज्जैन। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा राज्य को डेयरी उत्पाद में अग्रणी बनाने की संकल्पना पर आगामी 4 एवं 5 जुलाई 2025 को इंडियन डेयरी एसोसिएशन पश्चिम क्षेत्र एवं विक्रम विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में मध्य प्रदेश में डेयरी विकासः संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इसके आयोजन समिति की बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर दिशा-निर्देश दिये गये और दायित्वों का विभाजन करके कार्रवाई की समीक्षा प्रतिदिन किए जाने का निर्धारण किया गया।

विक्रम विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के सफल आयोजन हेतु गठित समितियों की बैठक विक्रम विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद सभागार में कुलगुरू प्रो अर्पण भारद्वाज की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में भारतीय डेयरी संघ पश्चिम क्षेत्र के पदाधिकारी जी आर दारू वाला, नंदन गुप्ता और सुभाष गुप्ता शामिल हुए। वहीं विक्रम विश्वविद्यालय की ओर से विभागाध्यक्षों, समिति प्रभारियों और सेमिनार के लिए गठित विभिन्न समितियों के सदस्य सम्मिलित हुए।

बैठक में कुलगुरू प्रो अर्पण भारद्वाज ने बताया कि विक्रम विश्वविद्यालय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा घोषित किए गए डेयरी टेक्नोलॉजी के पाठ्यक्रम को प्रारंभ किए जाने और मध्यप्रदेश में दुग्ध उत्पादनों को बढ़ाने की दिशा में तेजी कार्य किये जाने की मुख्यमंत्री डॉ यादव की संकल्पना पर यह राष्ट्रीय स्तर का आयोजन किया जा रहा है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com